41 0767

AMRL-TDR-42-114

WEIGHTLESS MAN: A SURVEY OF SENSATIONS AND PERFORMANCE WHILE FREE-FLOATING

CATALUGED BY DEC AS AD No.

John C. Semons Melvas S. Gardne

TECHNICAL DOCUMENTARY REPORT NO. AMRI-TDR-62-114

March 1963

410767

Behavioral Sciences Laboratory 65°TRh Aerospace Medical Research Laboratories Aerospace Medical Dossion Air Force Systems Command Wright Patterson Air Force Base, Obio

Project No. 7184, Task No. 718401

Library Laws

20050223008

Best Available Copy

AMEL-TIM-62-114

#### POREMORD

This report was prepared by "ne Sman highering Branch, Behavioral Sciences Laboratory, 6570th Aeros in Medical Research Liberatories, under Project 7184, "Essan Performance in Advanced Systems," and Task 718405, "Design Criteria for Crew Statio" in Alvanced Systems."

The authors wish to express their appreciation to Capt. J. E. Made, formarly of 6570th Aerospace Endical Research Laboratories; Cdr. G. Bond and Dr. K. Scheefer, U. S. Eavy Medical Research Laboratory; Er. H. Wilson, Convair Astronautics; and Dr. S. Gorathemohl, Entional Aeronautics and Space Administration, for their many crients and ald in writing this report. Special acknowledger at is made to H/Sgt. Charles W. Sears, 6570th Aerospace Medical Research Leubratories, who helped accomplish the inflight research, and to Br. Melvin J. Warrick for his assistance in preparing the manuscript for publication.

This research was performed during the period October 1960 to February 1961.

Control of the second

APRI-TIR-62-114

### APSTRACT

The effect of surface-free behavior on work performance in space has been investigated to detormine what techniques should be developed to sid the orbital workers. Mails they performed gross motor activities under weightless conditions, subjects reported their sameory and persormance experiences deriag Keplerian parebolas in a C-1318 aircraft in both lighted and durk cabin conditions. Their experiences were categorized into sensation influences upon orientation and body action influences upon body attitude and position control. Unique examples of short-term weightless behaviors were found and their causes are briefly discussed. Potential applications of these weightless responses to hardware development and to cree training and selection are discussed, and significant areas for future research are proposed.

# PUBLICATION REVIEW

This technical documentary report has been reviewed and is approved.

OVACTOR P. ALGUN WALTER T. CRESSER Technical Birector Behavioral Sciences Laboratories

erro 3

The second section of the second second

#### TABLE OF CONTENTS

| 1       |      |            |               |      |   |            | _   |   |   | • | P-114. | <b>4</b> ,400 |   | • |     |        |   |               |     |   |     | Page     |
|---------|------|------------|---------------|------|---|------------|-----|---|---|---|--------|---------------|---|---|-----|--------|---|---------------|-----|---|-----|----------|
| Introde | LYDO | <b>a</b> . | •             | •    |   |            | •   | • | • | • |        | •             | • |   | •   | •      |   |               | •   |   | •   | 1        |
| METEDOS |      |            |               |      |   |            |     |   | , |   |        |               |   |   |     |        |   |               |     |   |     | 2        |
| rriults |      |            |               |      |   |            | _   | _ |   |   | _      | _             | _ |   |     |        |   | _             |     |   |     | 5        |
|         | •    | . •        |               | •    | • | •          | •   | • | • | • | •      | •             | • | • | •   | •      | • | •             | •   | • | •   | •        |
| ٨.      |      | itet       |               |      |   | •          | •   | • | • | • | •      | ٠             | • | ė | •   | •      | • | •             | •   | • | •   | 5        |
| 3.      |      | cati       |               |      |   |            |     |   | • | ٠ | •      | •             | • | • | •   | •      | • | •             | •   | • | •   | 6        |
|         | 1.   |            | ile           |      |   | _          | •   |   |   |   | _      |               |   | • | •   | •      | • | •             | •   | ٠ | • ' | 6        |
|         | 2.   | _          | for           |      |   |            |     |   |   | - | 8      | •             | • | • | •   | •      | • | •             | •   | • | •   | . 7      |
|         |      | Ses        |               |      |   |            |     | _ |   | • | • ,    | •             | • | • | •   | •      | • | •             | •   | • | •   | 8        |
|         | 4.   | Ori        |               |      |   |            |     | - | • | • | •      |               |   | • | ٠   | •      | • | •             | •   | • | •   | 9        |
|         |      | 4.         |               |      | • | e e £      |     |   |   |   |        | -             | _ | - | •   |        | - |               | •   | • | •   | 10       |
|         |      | <b>b.</b>  | - 1           |      | _ | go s       |     | • |   |   |        |               |   |   |     |        |   | -             | •   | • | •   | . 11     |
|         |      | €.         |               |      | • | o g        |     |   |   |   |        |               | • | • | •   | ٠      | • | •             | •   | • | •   | 15<br>16 |
|         | _    |            | Em.           |      | • |            | _   |   |   |   |        |               | _ | • | •   | •      | • | •             | •   |   | •   |          |
|         | 3.   |            | COTI          |      |   |            |     |   |   |   |        | •             |   |   | ora | e Fish | I | ri <b>e T</b> | LLA | • | •   | 17       |
|         | 6.   |            | યક દિ         | 1440 | • | •          | • • | - |   |   |        |               | • | • |     | •      | • | •             | •.  | • | •   | 19       |
|         | 7.   |            | 00 6          |      |   | -          |     |   |   |   |        |               |   |   | -   |        | • | •             | •   | • | •   | 20<br>21 |
|         | 8,   |            | \$ <b>0</b> ( |      |   |            |     |   |   |   |        |               | - | • |     | •      | • | •             | •   | • | •   |          |
|         | 9,   |            | rusc          |      |   |            | ,   | - |   |   |        |               |   |   | -   | -      | • | •             | •   | • | •   | 22<br>23 |
|         | 10.  |            | 044           |      | - |            |     |   |   |   |        |               |   |   |     |        |   |               |     | • | •   | 25       |
|         | 11.  | _          | k Le          |      | • |            |     |   |   |   | 3.0    | 1 25          |   |   |     |        |   |               | •   | • | •   | 26       |
|         | 12.  |            | 894¢          |      |   |            |     |   | - | • | •      | •             | • | • |     | •      | • | •             | •   | ٠ | •   | 27       |
|         | 13.  |            | plac          |      |   | Dec        |     |   |   |   |        | _             | • | • | •   | •      | • | •             | •   | ٠ | •   | 27       |
| С,      | Moti |            |               |      |   | •          |     |   |   | - | •      | •             | • | • | •   | •      | • | •             | •   | • | •   | 28       |
|         |      | Bod        | •             |      |   |            |     |   |   | • | -      | •             | • | • | •   | •      | • | •             | •   | • | •   | 29       |
|         | 4.   | Sal        |               |      |   |            |     |   | _ | • | •      | •             | • | • | •   | •      | • | •             | •   | • | •   | 29       |
|         |      | 4.         |               |      | • | Mark       |     |   | _ | • | •      | •             | • | • | •   | •      | ٠ | •             | •   | • | •   | 30       |
|         |      | <b>b.</b>  |               |      |   | pla<br>1-4 |     |   |   |   | •      | •             | - | • | •   | •      | • | •             | ٠   | • | . • | 32       |
|         |      | - •        | Ume<br>Soc    |      |   |            | •   |   |   |   |        |               |   | - | •   | •      | • | •             | •   | • | •   | -        |
|         |      | a.         |               |      | • | y 1        | -   |   |   |   | •      |               | • | • | •   | •      | • | •             | •   | • | •   | 32<br>32 |
| . D.    | Mino |            |               |      |   | -          |     |   |   |   | •      | •             | • | • | •   | •      | • | •             | •   | • | •   | 35       |
|         |      |            |               |      |   |            |     |   | • | - | •      | •             | • | • | •   | •      | ٠ | •             | •   | • | •   | 35       |

en de la la companya de la companya

| <ol> <li>Suspension of Dart and other Objects - Inadequaty of<br/>Open Centainers</li> </ol> | 31           |
|--|--------------|
| 1. Physiological Effects   | , <b>3</b> 7 |
| BUSINANT AND CONCLUSIONS   | 36           |
| DIP. LOCALITAT   | ₩1           |
| APPENDIX I. Q ees Noter Tests  | \$           |
| APPENDIX II. Trenderign of a Rebit of the greates  | 5            |
| APPENDIX III. Solf Contined Autit Contribut Verton   | 6            |

wit si

# TABLE OF ILLUSTRATIONS

|        |  | - 1  |
|--------|--|------|
| Figure |  | Pers |
| 1      | Subject and Noon Display in Lighted and Darkened Cabia | 2    |
| 2      | Electroluminascent Panel - Rosm Bis, lay               | 3    |
| 3      | Tactualses Confort                                     | •    |
| •      | Finger-to-Rose Test                                    | 19   |
| 5      | Ensembles of One g and Sero g Controls                 | 11   |
| • `    | Insertent Secring Collision                            | 1.8  |
| 7.     | Out-of-Phase Clothing Notion                           | 22   |
| •      | Plot of Probable Body Resilience Deflections           | 28   |
| •      | Swimming Notion  | 30   |
| 10     | Torque Tasks on a Common Board                         | 31   |
| 11     | Proc-Souring Failure                                   | 33   |
| 12     | Waightlaca Walking - Adhesiw Footgear                  | 35   |
| 1.3    | Repeater Station and Personal Radio Unit               | 63   |
| 10     | Repeater Statice, Block Diagree                        | 64   |
| 15     | Personal Unit . Block Diagress                         | 65   |

# LIST OF TABLES

| Tables |  | ?age |
|--------|--|------|
| I      | Summary of Serve come and Performance Factors, Including<br>Hypothetical and 'morm Causal Relationships and Potential<br>Applications. | . 40 |
| 11     | Summary of Summarizons and Parlormance Factors, Including Suggested Lives for Educated   | . 46 |

AMEL-TIR-62-114

# WEIGHTLESS MAN: A SURVEY OF SEPERATIONS AND PERFORMECE WHILE FREE-FLOATING

#### INTECOUCY ICO

The emergence of 1-g matured man into the weightless environment of space requires, among other things, an evaluation of his ability to orient himself and to work within this unique condition.

Gerathement (ref. 9) states, "There can be no doubt that the differentiation between 'semantion' on the one side, and 'performance' on the other side, is an artificial one because both factors are so closely linked together and interrelated that any separation can serve as a working hypothesis only. It is mainly for the sake of a schematic classification of symptoms that we confine ourselves to the treatment of the 'subjective' or personal experiences of weightlessness. Thus, psychological and somatic effects of weightlessness may stam from the same source; and they may affect the well-being of the individual as well as his tack performance." The present report explores the performance of weightless man and discusses some of the factors that appear to influence his performance and orientation. Problems are discussed in tarms of simulation, crew selection, and training, and implications for the actual orbital situation.

The Bessits section lists sensation and performance effects noted during an inflight survey and are only briefly discussed in an attempt to acquaint the reader with these new effects. Several of the effects are currently being investigated as separate, individual studies, and the rather cursory treatment of the effects as given by the authors is meant only to provide familiarization with the effects in question. The major intent of this section is to identify problem areas portional to the weightless orbital operator.

rang (18 m) an ang ang mining mining ang mining ang mining mining

#### MITHORS

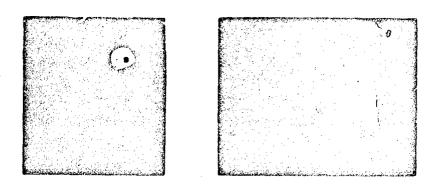
The subjective comments of free-floating personnel and their performance as observed by the task scientists were recorded during and after a series of weightless memouvers in a C-1318 aircraft (ref. 17). Maive subjects and experienced "free-floaters" were brinfed before each trial and were interviewed during, between, and after single and double persones. Voice recordings of their subjective exements were made on a compact tape recorder carried in a leg pocket of their flying suits.

These observations were made under weightlessness in a lighted and darkened cabin, or a sark cabin augmented with an artificial more (fig. 1). Weightlesenses as experienced by a free-floating subject was characterized by the following conditions:

Low Friction: The absence of cobesive force between adjacent masses (whether moving or staticanty relative to one another).

Free-Body: Body segment investment interactions, possible only in a surface-free environment, permit subjects to stend on or orient to any room surface.

G-Free Stimulation: The freedom from the effects of gravity on the mechanoremorphore (postern), tectile, labyrinthine senses).



- A. Subject in lighted cabin.
- B. Subject in dark cabin, with meen display.

Figure 1. Subject and Moon Display in Lighted and Darhamed Cabin

AMRIL-TIR-62-114

The following conditions were considered as peculiar to the aircraft manager:

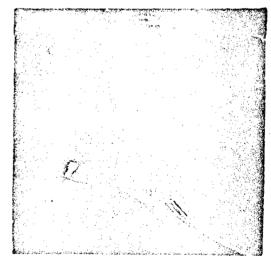
Repid g Transition: A g transition from 2 1/2 to 0 g, (or vice versa) lasting 2-3 seconds (ref. 17).

Environmental Strang: The influence of extress aircraft attitudes, excessive g and engine noise variations during the manuver.

Short Time Beration: A weightless period of approximately 14 ecconds per manager.

Aircraft Notion: The effects of air turbulence and pilot-initiated control movements that imported spurious accelerations to the subject and his environment.

The participants were dark-adapted in the aircraft cabin for 15 minutes by wearing opegus goggles. An illuminated electroluminescent penal (referred to as the moon) was mounted on the rear bulkhard and emitted approximately 0.003 millimbarts evenly across the face of the display (fig. 2). The low light level was used to eliminate reflections and to avoid illumination of the darkroom interior. The moon served as a single visual stimulus, and its round shape was chosen to reduce the houseledge of the location of cabin surfaces for the achieves. A sippered curtain isolated the experimental area from the forward fuscings. The experimentar, who monitored the experiment from the experimental area, were an interphone headed to communicate with the pilot.



Pigore 2. Electroluminoscent Pagel - Moon Bisplay

AMEL-TDR-62-114

The subjects were instructed to perform the gross notes activities listed in Appendix I. Tacks of gross motes behavior were chosen for their shility to free the subject from a surface, move a subject between surfaces, cases collisions with surfaces and influence the up-draw (wailing-floor) frames of reference for the subjects. The tasks were proceeded in order of increasing complexity; i.e., successive tasks required more propriesceptive activity and the stimulation of more receptors. Simple tasks were selected so that they could be performed easily in the dark and within the brief weightless period. Instructions to subjects were standardized to control the sequence of task presentative and to insure emplotion of the activity.

The 11 subjects in the first group were neepliets and a large percentage of their communis dealt with supervive artificate rather them responses to the weightless condition. In an effort to record attention to there conditions, the authors drow additional subjects from the pilots of Vright-Patterson AFS.

Appendix II is a verbetim transcript of a Marcusy astronaus's flight as recorded in the darknoom. This transcript reveals the smalth of information that can be obtained from subjects arguminted with the effects of self-initiated and entermally imposed forces on body purformance. It further convinced the authors that more productive data could be obtained from an aircress-type population. As a result, 18 pilots (eargo, banker, and fighter aircraft) were selected as subjects. Later, 12 May deep see divers were selected, because of their experience in the dark and becomes underwater environment that has often been compared with the weightless state.

ANTI-7728-62-114

#### RESERVE

# A. <u>Mediation</u> -

A limitation of the observational method in that the precess of observing may itself influence the subject being studied (raf. 2). We thought that the act of recording into a private education, unabserved by the experimentar, would reduce the possibility of subject influences being enerted on the subject's behavior by the knowledge that he was being studied.

The observational method often yields secularly unrelated data in which it is difficult to find significant relationships. The table of hypotheres (fig. 18) is at best a cilection of hundred of ensure relationships based on unsystematically controlled chearvations; however, this is the intent of this report and many observational methods; i.e., to generate some possible fruitful hypotheses.

Another discoverage of this technique is that the investigator may collect data on irrelevant operations, became he does not know in edvance what is important. The authors, however, fid not wish to reduce the probability of the appearance of unknown sensations by structuring the tests around previously connected notions of what factors ware important. In order to reduce this influence the tasks were structured so as to minimally interfere with the subject's freeders of uncion or action. As the test progressed, the authors became more calculate with their calculation of subjects (see NETIODS); however, the instructions to the subjects remained unchanged. The only useless data not used in this report dealt largely with environmental descriptions of temperature, witration, noise, turbulence, static electricity, and odors from the padding used in the experimental area.

The lack of generality of findings is one of the most serious limitations of the observational technique. The authors are not suggesting that subjects confined in the rear of a dark sirplane are surresementally equivalent to personnel free-floating in space. We are suggesting, however, the probability of high correlations between many of the sensory and physical relationships in the two weightless conditions.

Originally, the authors had intended to proord the frequencies of each effect within each trial in an attempt to relate the effect to the specific task being accomplished. Unfortunately, approximately 67% of the data gathered was unusable because of insequents recording equipment (noise interference), recording techniques (mintelligible remarks), and inadvertent spoilage of the tapes by the transcribing agency. This shortcoming eliminated the possibility of a study of task-effect relationships and any attempt to qualify either the frequency or criticality of the emmarated effects. This situation forced the authors to celectively sample tape excerpts for intelligibility, and arbitrarily categorize them into like effects.

In addition to the free-floating activities listed in Appendix I, the next section also contains selected observations of subjects' behavior

and this cannot be made to a single definition of the same of the same and the same of the

during other studies. These observations were included because of the cuthors' foeling that there were definite relationships between these activities and the simpler case listed in Appendix I. Such observations are identified by the word "extre" in parentheses (Extra).

The unsatisfactory sudio recording mentioned above suggests that a better system would be desirable in future research. Such a system was developed for the Air Force by the Seiszograph Service Corporation, Tulsa, Oklahom and is described in Appendix IV.

- B. Senostions and Effects The following reflects the sensity experiences and effects reported by the subjects, as interpreted by the authors:
- 1. Exhiberation During Surface Freedom Subjects who were not annoyed by the acceleration history of the mensurer (see B 10, page 25) almost invariably smiled and laughed, appeared to enjoy their g-free scaring and reported symptoms of emphoria or exhiberation. These symptoms were some pronounced in the lighted than in the derivated room.

#### Examples:\*

(Astronant) "Exhibitation is the proper word." Bond: "The emphoria is similar to, but not identical with, the emphoria of the free estimater. Hajor factors, I believe, are (1) abrupt and complete environmental alteration and (2) abrupt modification of all sensory and 'poeturograval' cluss. Increased visual array embances emphoria, of course. I am reminded, however, that in poorly motivated and naive subjects, panic may result from this 'threatening' transposition." Diver: "This [task no. 8 - lights on] is better than the last time [task no. 7 - lights off], I can feel what I'm doing. I'm moving around mow, I emjoy it more when I can see what's happening." Diver: "This [task no. 8] is more enjoyable the 'ength of the run, much more so than when it's dark. When you're oriented, a more enjoyable experience."

#### Discussion:

Bond's suggestion of panic is in accord with Ceratherohi's earlier prediction (ref. 8) that "There is a possibility that the man's response to this eerie situation might be one of befuddlement and uncesiness, if not actual terror"; however, this response was noted only with the few subjects whom, the authors believe, were fearful of inflight weightless-producing maneuvers.

\* Quotations listed after the term <u>transles</u> are either excerpts from tape recordings, written statements on questionnaires gathered during debriefing session, or statements unde by observers. Most sources are identified, such as (diver) or (pilot). The enceptes are included only for the purpose of suggesting the scope of the effect. The authors did not attempt to integrate these excerpts because they represent highly subjective opinions and any attempt to systematically explore the effects would require independent studies (several such studies are currently in progress).

والمراب والمراب والمعارية والمنافقة والمتكاول والمتكاول والمتلاور والمتلاور والمتلافة والمتلاور والمتلاور

\*\* Personal Communication, Communder G. Bond, Officer in Charge, U. S. Maval Medical Research Laboratory, New London, Conn., 11 Jan 1961.

#### AMEL-1103-62-114

Gerathershi does say later (ref. 9) that the "mental sensation of weightleseness can best be described as one of incredulousness or even slight massesset." These (ref. 15) has predicted extreme reactions: "The lack of gravity in a space ship will beighten the sensitivity of the gravity senses. The gravity sense organs will react vehencetly to the smallest forces acting on the body. If he merely stratches his body or turns his bead, he may be everwhelmed by the sensetion that he is being lifted and jerhad back and forth or that he is sucheally spinning eround. A man liberated from the shackles of gravity would must probably be in a constant state of physiological and psychological tension." Our observations failed to confirm such direpredictions.

The sudden capability for 6 degrees of relatively unhindered body motion could be a general stimulus source. The almost effortless achievement (see ref. 6 for force requirements) of undered body locations and attitudes and the redden enurgence into a nevel "Flooriess and up-coulses" environment (refs. 35, 35 and 365, Knowledge of Budy Fosition in Aircraft) apparently pleases subjects unconcerned with inflight fears.

#### Application:

G-free training and design should most likely be based upon the advantages of placing man in a potentially exciting and enjoyable vavironment. Workspace layout and self-maneuvering designs will probably not have to consider the proviously postulated fear evoking aspects of the weightless environment.

2. Comfort of Tactualess Support - Subjects found tectualess "suggest" to be confortable.

## Enemples:

(Diver) "Relief from g." "It's like floating without the water" (fig. 3). (Diver) "It's like drawning." "Actually there is quite a little bit of difference in being weightless here and being weightless in water because there you can actually feel yourself, you know you can't feel anything here."

# Discussion:

This perception was most frequently reported when subjects performed Tank No. 1, which was a prone static position without limb successors (App. I). The sudden elimination of body weight and positive supporting reflexes which "increase extensor tone in order to make the body rigid against gravitational pulls" (ref. 30) tended to induce posture characteristics of withdrawn limbs. The force that must be exerted by the calf muscles to maintain the upright position on earth has been calculated to be equal to about one-quarter of the body weight and results in a metabolic cost of 14 per cent more calories per minute than a lying posture (ref. 30).

In terms of musculc-sheletal requirements, weightlessness is a lazyman's environment. Graveline (ref. 26) notes that as in the zero-gravity

AMEL-TIR-62-11.



Figure 3. Enstealess Comfort

state, "there is a marked decrease in the amount of moscular effort required" for most activities in hypodynamic covircumsus.

This pleasure of comfort effect may be influenced by the encessive g load immediately preceding the weightless state. Walker stated after his first X-15 perabola, "One consciously appreciates the semestion of resting after the greater physical effort while power is on."

# Application:

- (1) A i g tactual bad violates the g-free criterion (Sech. IV).
  (2) The weightless sleeper may need nothing more than a tother to restrain him from drifting.
  (3) Hum's sleeping preture may be determined by his own 3-dimensional torso adjustment and not forcefully influenced by a mattress configuration.
- 3. Commation of Falling Under weightlesoness, semestions of falling and the associated manifestations of apprehension, feer, even pends, might be expected (ref. 9). Our observations, however, lead us to believe that even the simple semestice of falling is rarely experienced, and that weightlesoness itself does not induce feer and panic.

### Exemples:

(Filot) "There was no falling constion at all. I expected to fall but I didn't. Even when I hit commthing, I didn't feel as though I was falling." (Diver) "On our first g before coming out of the zero, I did have the commandum

<sup>\*</sup> Official Latter from J. A. Walber, Subj: Flight "2-14-23," Mational Aviation and Space Administration, 3 April 1981.

AMEL-TOR-62-114

of falling." (Thysiologist) "This semention 's in my experience to a certain extent related to the emphoria. Even if one I is an object, one barely feels it." (Psychologist) "The meaning of height above the floor in terms of fear is lost."

Since the subject and the aircras; woth traverse the same general parabolic arc, the subject is not falling in respect to his immediate frame of reference - the aircraft. We found a few subjects experienced a sensation of falling only during the transition to or from the weightless portion of the flight trajectory. Following the transition to 0 g, whitever sensation of falling that occurred during this transition subsides quickly. If the transition to 0 g is sade gradually by flying an aircraft out from under the subject (rather than transiting rapidly from + 2 1/2 to 0 g), there appear to be no sensations of falling - rather a transitory sensation of being beoyed-up or floating. Sudden disturbance of the sircraft may, however, induce falling sensations through the resulting visual, tactual, kinesthetic, and proprioceptive cues. Baring Joseph tealbar's first 150,000 ft. X-15 parabola, he mentioned that "I found myrelf waiting for thrust cutoff. After that there was a mild sensation similar to falling. This was recognized and forgotten in a very short period of time."

#### Apolication:

During the measucelevation portions of space flight, an estronaut probably will not experience sameations of falling. Therefore, his performance will probably not be impaired by any continuous fear of falling, and no special precartions need be taken in systems dosign to assuage the possible consequences of fear of falling. Since the transition to and from weightlessmess and transitory disturbances of the vehicle may result in fleeting but potentially disturbing sensations, including that of falling, planned exposure to such experience is recommended.

Orientation Effects - The news four effects are concerned with the subject's assrenses of his own body position and motion. Garathemohl defines this excremes in terms of orientation, '.e., "the ability of the individual to localize his position with reference to the three-dimensional space is understood in which the act of localization is guided by a complex of visual and gravitational cuse."

The postulated contributions of visual, vestibular, and kinesthetic senses to orientation during weightlessness are marifold (rof. 20, 24) and will require extensive study. No attempt is made in this report to isolate

ill frem the ration of the first and

Personal Operanication, Dr. K. Schaefer, Chief Physiologist, New London, Commecticut, 12 Jan 61.

Walker, J. A., op. cit.

there contributions. Eather, the phenomenological approach was used to determine potential orientation difficulties,

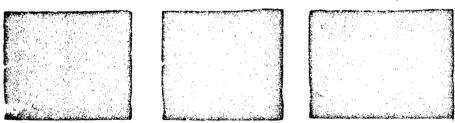
a. Knowledge of Lir , Position: The subjects know during all of the conditions the static positions of their limbs; however, moving their limbs may have resulted in confusion, initial overreaching, and an oscillating center-of-mass.

(Pilot) "I know where vs area and logs are. I get confused when I'm spinning." (Physiologist") "It was sweprising to no that I always know where my arms and logs were. In emportments in which I had subjects subscriped in a text containing value (at body temperature) in a dark, scholess room, everyone had the consection - 'I do not know where my arms and legs are' within two hours. Maybe the reported becaledge and control of limb position is lost if the period of gravity from contents is embended."

Strugbold comments (ref. 38) "If we move our arm, we would not feel its weight. [This is not proceedly correct, as a popul acceleration may be felt as a weight sensation; knewwor, slow accolerations may be below the perceptual thrushold.) Denotes of the tissue and not gravity represents as adoquate stimulus for escurate merements of the limbs."

List control improves with practice. As Garacherohl (raf. 11) noted with blindfolded, harmested subjects stabbing at terrots with a styles, "subjects edjusted to the eitration foring the first six empowers to weightleseness." The Palarieral Sciences Laboratory's tests illustrated that gross overreaching was edopostely corrested furing the first percebola with open open.

Coordination of the upper extraction, brawn on the Firgur-to-Moon Test (ref. 6), was performed by two subjects during these weightless trials (fates). The test was made with pro blindfolded orbjects, highly experienced in weightless flight. That porformance was smooth and accorate, indicating at least a metrhed mucle balance (fig. 4).



Pigure 4. Pinger-to-Moos Test

رين يَا يُؤْرُوا فَأَوْلُوا لَا أَنْ مِنْ

Dr. K. Schoefer, IBIB

Geratherchi's studies included one trial par each Espleties parabels. Mehavioral Sciences Laboratory's studies included several trials per Repirrian parabola,

Hany subjects moved their limbs rapidly (Task 7, 8), thereby oscillating their center of mass. Confusion regarding body attitude and position apparently increased when these subjects performed the tumbling task with lights out, because they mistakenly thought their arm and leg motions resulted in successful body rotations.

# Application:

- (1) The orbital worker will probably develop new free-body limb positions (relaxed posture), and g-free controls should require less of an actuation force. Ruscle decrements should be established for the operator over long weightless periods and reentry periods.
- (2) Overshooting occurs in darkness, but knowledge of results rapidly decreases errors (ref. 11).
- (3) Universally jointed levers (fig. 5) may be more appropriate to the free-floator. These may reduce the requirement for him to align himself to a single-axis actuation system but could introduce control notion standardization problems.



1-g LEVER (SMGLE AXIS)

O-G LEVER
(MULTIPLE AXE3-360°)

Figure 5. Examples of One g and Zoro g Controls

b. Enowledge of Body Position in Aircraft: Homzotating subjects use their body posture as a focus for orientation rather than an environmental frame of reference.

#### Examples:

(Astronaut) "The first time I have ever been so completely and quickly disoriented - with lights on, orientation is no problem."

(Physiologist\*) "I subscribe fully to your proposal to use the posture sense orientation as a basic reference plane for the worker outside the space-ship for a number of reasons. Visual sense contributes more to illusions or to the conflict among gravitational and visual cues. I mentioned to you that I personally had no problems with discrientation after the first run and had no sensations related to air sickness and I contribute this to the fact that I was the first subject. I was not exposed, as Dr. Apandro, to the visual gravitational sensory conflicts in looking out of the window of the airplane and going through the motions prior to the actual test. I would hazard a guess that you would find a lower percentage of discrimination and airsickness in those subjects who were the first to enter the darkroom. If this is the case, you could strengthen your argument for the posture sense as a basic reference plane." [Unfortunatally, a record of the sequence of subject testing was not under for this study. Bormally from two to four subjects flow per flight.]

(Astronaut's Flight Sergeon) "On one run I was having an erudite discussion with John Glenn (astronaut) and it was not until the run was over and we were in the pullup that I realized that, in relation to one another, I was upside down. The important thing here to we is that it didn't make any difference. There was never any realization on my part that there was anything abnormal with our being face to face, yet with chins pointing in the opposite directions. From this, at least, I am convinced that astronauts will soon acclimate to the agravic state."

(Diver) "As soon as my feet were placed on the ceiling, I regained my orientation with the ceiling as down." "As long as I can keep my eyes on that moonglow, I can keep my relative position quite easily - I can tell whether I'm vertically positioned or whether I'm horizontal and which way I am going from it."

# Discussion:

King notes that "All of the sensory receptors of the body concerned with maintenance of posture, except for the eye, are stimulated by mechanical forces. An important aspect of visual function in postural orientation and motor performance is its adaptability. Response modification can be effected through learning and reinforcement. The relative importance of visual information in determining spatial orientation will be increased in weightlessness. For postural orientation, the major determinants of response are learned expectancies about the relation between physical environment and sensory isput. A visual field providing cues which permit the individual to construct a reference frame should be provided to aid spatial orientation in weightlessness." Hurgaria (ref. 25) downgrades this requirement for a visual field and indicates that individuals who suddenly have their information for spatial orientation reduced from three sense organs to one, at first lose

Dr. K. Schsefer, op. cit.

their sense of orientation but later adapt and regain this orientation. King (ref. 20) later proposes that "since correct postural perception is mandatory, confusion can bast be alleviated by engagements of wareliable information in favor of cuse that are not auxilified by establisheese." (The emphasis is by simons and Cardana).

Streghold (ref. 13) may be overcomplessining the visual sense and deemphosising the tentile sense when he proposes that "orientation for movement in the spaceable will have to be accomplished optically, whereas on the earth it is done optically, gravireceptorially, with the vestibular sense and pressure sense of 'le chim"; sad Coratheunbl (ref. 10) later stated, "It is the opinion of many inventigators that the force of graviry exerts the most fundamental influence upon our spatial orientation. However, there is no need for the organism to obtain a conscious knowledge of the direction and amount of graviry. The basic need is for a machanism that adapte the body automatically to their effects." This might be done by means of the so-called postural reflexes which are thought to serve to maintain or restors normal position and posture of the body.

Simous (ref. 35) has proposed the posture sames (foot-down) orientation as a basic reference plans for the worlder outside his spaceship. Bond adds a front-forward aspect to this concept; i.e., "in relation to blacked-out, weightless, discrimination spins in water, - with relation to up and down; but in all cases save one out of about 50 runs, the plans of reference was to the frontal aspect of the body, never to the posterior aspect."

Bay (ref. 31) supports the Gaminesco of postural cues in the perception of the gravitational vertical. Moreover, postural factors were found to influence the judgment of the visual vertical, although the converce, the modification of the postural vertical by visual factors, was not demonstrated. Thus, in any situation is which as individual, such as a pilot, is subjected to this type of conflict, relience tends to be placed or postural rather than risual cues and discontentation or minimarproperation of instruments may result. The body of evidence strongly supports postural factors as being the primary once for the perception of the postural vertical and enemering a very strong effect in the perception of the vicual vertical.

Much has been written of studies concerned with the differences between field and body (posturel), winted subjects. Cohen (ref. 3) has emphasized the behavioral complexities of extreme body and nurroum field oriented subjects and wolvi differences in these diverse groups in cortical alertness (ESS), nonspecific fluctuations (CSA), two-point sensory thresholds, pain thresholds, disconfort, advending levels, pulse-rate variability,

<sup>\*</sup> Commander Rond, 1814.

AMRL-TDR-62-114

projections of internal precapts, renatrual periods, anxiety ratings, and even psychopathalogical impulses. He supposts that these percaptual differences have many important general biopsychological theoretical implications, as well as having specific implications toward responses to stressful experimental situations of importance in Air Force operations. Although there is a large variance in individual differences, his findings are consistent with Cohen's (ref 3) that extruse body or extress field oriented subjects are more likely to show pathology or a greater succeptibility in reacting to stressful situations. This suggests that a "middle" or non-field or non-body group would suffer least as orbital workers and those personality variables might serve as crew selection critaria. Subjects with less distinct body or field perceptual characteristics may show less disorganisation (i.e., more stable orientation) in a low sensory input environment.

Diefenbach's summation (ref 5) appears realistic, "Origonation to space, visual and postural, is the returns of an integrative function which involves not only the receptor organs but notor discriminative responses as well. Considering the evaluable emissionial inferent from nerval experience. Vision of surroundings spart from the cockpit will be unique in man's experience, and bear little relationship to any experienceal bearground. Propriocoptive inferential will be based on body assubers with mess, but no weight. Vestibular etimals of an offlithic nature will be limited to those produced by accolaration forcess and those arising from based novembars. In tetal, the prespect of a person being able to origin to bis surroundings does not need feverable."

Future experiments could explore the interaction of viscal, propriocaptive, and westibular case on both erientation and motor control under varying gloads. Both this report and Shock's reports (ref 36) show that "discrimination are to complan accelerations produced by the parabola motions have to be carefully judged for implications with regard to conditions of true weightleconses."

#### Applications:

- (1) Work station Layout could be designed toward a posture orientation; i.e., the operator and not the whiche or the space could be the focal point of erientation.
- (2) Displays should not require an arbitrary operator-to-display alignment for display interpretation.
- (3) A vehicle-to-men frame of reference might be based on elements of a posture orientation.
- (4) A crew selection criterion may be the elimination of those condidates who exhibit extreme body or field orientation characteristics in a one g environment.

Addition to be not be the time to some it was

#### AMRL-?DR-62-114

c. Knowledge of Rotation: Subjects tended to underestimate their own rates of rotation in the dark condition. Inedvertent or purposeful tumbling memourars did not appear to induce symptoms of dissiness or vertigo although disorientation was prevalent.

# Examples:

(Astronomet) "I had an unempected lack of dizziness, as I am prone to dizziness." "When not touching a surface, I had no feeling of rotation." "Sense of rotation is that of salf-rotation, rather than aircraft rotation." "Disorientation without vertigo." "Disorientation with exhibitantion." "Could maintain orientation at slow rpm." "I thought I was spinning less that I did."

#### Discussion:

The fact that many subjects were often surprised to find thesselves in unsatisficated positions at flowr contect may make that a perceptual decrement (underestimation) of immediadge of rotation may exist in the weightless state in darkness. The secure in which this perception is obtained in unknown (ref. 24), however, difference thresholds to engaler socializations may be determined at a later date for subjects accelerating in a rotating chair in the eigenfit. A later comparison between 1 and 0 g thresholds may aid researchers in defining the contribution of the gravineceptor; pertinent to this perception.

Vertigo (visual, gravital sensory conflicts) sementions may be more difficult to induce because of the fewer conflicting inputs from the gravi-receptors. Physiological tumbling tolerances may be higher because of decreased cardiac activity. Small amounts of subject rotation can cause loss of visual contact with target and result in discrimination.

#### Applications:

- (1) Indices of plane and direction of spin are probable minimum information requirements for tumble recovery and attitude control designs.
- (2) Rotation thresholds and tolerances should be established for weightlessnass.
- d. Enowledge of Surface Location: Enowledge of surface location was poor and knowledge of body-to-surface alignment was almost momenistant with surface-free behavior under semidark and dark conditions. Surface behavior tended to its inefficient, but increasing body-surface contact area helped with body-to-surface alignment tasks.

#### Examples:

(Physiologist<sup>66</sup>) "I meeded only a fingertip to herp track of things."
"Once I had determined the size of my environment with tectual curs, I become
disinterested in the aircraft position relative to the earth and from there
on I folt completely secure." (Diver) "It was like a bottom search plan
used for recovering objects in water with no visibility." (Diver) "You can
feel enough to right yourself once you get started."

#### Diseas sine

A single, tactual contact offered surface location information but poor attitude information, since the subjects had a number of priential bodyto-surface alignments.

Both subjects and observers were often confused as to whether a given motion was due to their motion or aircraft surface mution. A free-floating mass (pillows were used to avoid injury) was introduced for detecting differences between aircraft and subject metion.

Inability to prepare for surface contact because of poor surface information produced greater apprehension and accidents in the dark environment.

and the second second second in the second s

Pers sal Communication, Dr. S. Cerathewohl, Office of Life Sciences, NASA, 19 Apr 61.

Dr. K. Schaefer, op. cit.

#### Applications:

- (1) Emergency techniques for returning to a surface in dark conditions should be developed and practiced.
- (2) Crow Stations design might emphasize total surface area availability and describes a single inefficient floor concept (ref. 35, 36) becomes of the between-surface behavior of the free-flester. The worker's retational section could describe a sphere of activity with the workspace area represented by an outer sphere.
- 5. Concern over Collision-Difficulty in Absorbing Inertia Concern with potential body injury during a surface collision was a deminent approbansion. The unsuarrows of approaching a surface (durk condition) and the insbility to self-rotate and prepare for a landing (durk and light condition) were reported as unjoy fears.

#### Examples:

(Astronout-see App. II) "I have to realise that wherever I am, or what position I am in, it is confortable to me and not harmful, even though upside down." "The big factor with me was the fear of injury upon completion of the mensurer." "Your wind is continually trying to think, well, which way am I going and when am I going to hit on what part of my body." (Diver) "I feel better if I have both hands from." "Actually, your feet and hands aren't too such help. When you're in the dark, you can't now where to put them." (Diver) "Started to land when I had my foot against something so it made it much assier."

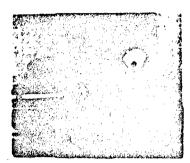
# Discussion:

Inexperienced souring subjects often rotate amcontrollably during translations. Subjects unknowingly pash off from a given surface with a thrust misaligned from their center of mass and spin while souring, thereby losing visual contact with their destination. As a result, they often collide with surfaces in swimmer positions and cannot proporly absorb shocks (see Fig. 10). Early exhilaration appears to promote ownconfidence, and subjects could easily be injured were it not for the padding within the area.

Unsuccessful flailing responses are usually noted when the subject becomes aware that he is rapidly closing with an object. In the dark cebin, many subjects continuously protected their faces with upbeld arms in efforts to fend off collisions with unknown objects. (Starding in the dark was difficult several subjects had hard falls during the excessive g period, because of their immbility to slign and hold themselves perpendicular to the floor.)

Techniques for properly dissipating momentum should include the following considerations:

(1) Velocity at moment of impact - self-propulsion units should be in low thrust class (ref. 36); long tether lines should not snap the worker when



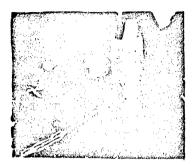


Figure 6. Inadvertent Scaring Collision

the line becomes taut (the proper damping characteristics of a tether are being determined); free souring should be held to 10 mph or less,

- (2) Impact of landing is directly proportional to the mass of the body it is best to discard high-mass objects before impact; it is extremely langerous to be caught between two colliding masses.
- (3) The amount of body surface area through which the impact is absorbed the standard broak-falls of judo represent effective methods for spreading the impact over large arm and body arros.
- (4) The distance through which deceleration takes place the arms and legs should be used as shock absorbers; like the standard stance of the parachutist, the limbs should be nearly but not quite extended at the moment of impact. Limbs locked at the joints may cause high-g low-time shocks to the torso.
- (5) The part of the anatomy subjected to impact decage to the head and ventical and whip-lash extensions and compressions on the spinal column must be avoided by developing proper restraint and tether designs.
- (6) Properties of the surface on which the body lands extensive padding will be necessary. The deformability and compressibility of the landing surface will make an enormous difference in the seriousness of impacts.

#### Applications:

(1) Coilision anxiety con be reduced by extensively padding all surfaces, by providing safety guards over moving equipment, and by having the subjects wear protective gear (helmots, suits).

the state of the s

#### AMRL-TDR-62-114

- (2) Overcontrol, the main cause of inadvertent collisions, can be sharply reduced with short training flights.
- (3) Expansion self-stabilisation may be a minimum requirement for accomplishing whital transfers in order for the worker to maintain a proper visual reference and to close feet first with the target surface (ref. 36).
- 6. Illusions The complex acceleration pattern of the aircraft mineuver sometimes induced real and apparent motions of the more and rotations of the environment but these illusions tended to decrease with continued exposure.

#### Examples:

(Biver) "I'm floating on the ceiling, I can see the moon, I feel exactly as if I was standing on my hands." (Diver) "I had the sensation of being on my back, going straight up, when I was walking down the cabin." (Pilot) "I am standing and the moon is moving up." (Astronaut) "The moon moved in a jerky motion, I think because of the turbulence of the aircraft." (Diver) "The moon moves during the 2 1/2 g." "I was walking toward the moon and had the feeling that I was walking in a vertical plane, actually straight up."

#### Discussion:

Gross sotion activity by the subjects during the weightless interval in the dark often introduced discrimentation and surface-reversals. Often these motions were interpreted as confusions over swifees location (surface-reversals). for example, "I'm not over whether I'm on the floor or the ceiling." These motion induced illusions were moted by many subjects and were frequently noted by spinning subjects who experienced a rapidly arving visual field. Schock (ref. 34) notes that, "Utricle stimulation during the g transition periods of the parabola often induce illusory motions of the target. Illusions incurred during aerial flight have been reported since the beginning of aviation. In the dark, changes of the apparent position of a fixed target result when subjects are exposed to linear and radial acceleration while flying a ballistic trajectory." Gernthesohi (ref. 7) also found with barnessed subjects that during the weightless portion of the trajectory the target appeared to stabilize, then to oscillate up and down as the subject (by virtue of aircraft motions) made exceptaions into megative g and positive subgravity states. Graybiel (ref. 12) found a direct relationship between the acceleration acting upon the human body and the apparent displacement of the visual target.

Frequent tembulent oscillations of the aircraft also caused many real and apparent motions of the environment about the subject.

#### Applications:

(1) G transition periods and activity under weightlessness may induce apparent target motions; the rates of onset of these illusions may determine desired rotation rates.

- (2) Planned exposure in sircraft facilities, which may reduce illusion propensity, should be included in training progress.
  - (3) Illusion resistance might serve as a crew selection index.
- (4) Self-measurering units should have low threat levels one to complex line-of-sight and deceleration programming requirements compled with this potentially hearrious effect.
- (5) Autokinesis (apperent target motion without embject metions) might be investigated with weightless subjects suspended with aim degrees of freedom of motion.
- 7. Sense of Zero, Fractional and Excessive g's Subjects often commented on their kinesthetic and tectual recomments to changing g local. The frequency of these comments increased with subjects who were making surface contacts and performing in the dark (so visual distractions).

#### Dumples:

(Mon-pilot subject in derk trial) "I'm at .5 g now, feel a slight rising of the head...the g's are increasing now, it started on 3/10 of a g." (Mon-pilot subject in dark trial) "Still feel bedily semestion in the seat of my pents and back...bossning lighter all the time...wary light, feels like I'm on 0 g." (Astronaut) "Teeling of weightlessness approaching is more apparent when seated them when starding, at .1 g, this is all you meed for locametion." (Chief, UMATAM) "I had the feeling there was an appared force on my arms."

#### Discussion:

The sensation of tactual release following a surface contact was constantly reported. King (ref. 20) postulates that "Mun's total sense of touch input is determined by the macher of stimuli received and the adaptation characteristic of the stimulated receptor. It may be enticipated that there will be a reduction in the total sensory impulses from those recentors." The total input and rate of tectual decay might be measured in a future study by comparing two-point thresholds under 0 and 1 g conditions. The kinesthetic response to fractional g loads (between 41 and 0 g) is currently being emplored in the aircraft with the use of a decay mineuver. The g level can be gradually diminished from .5 to 0 g over a 30-second time period at the rate of -.017g/csc. This capability offers in a my vicentar the potential of identifying the particular g level associated with a behavioral response.

Baker (ref. 16) points out, "The function of the gravity sense become particularly critical in the proximity of g=0. As can be read from the curve (Seber-Fachear Law, which maintains that the intensity of the sensation is proportional to the logarithm of the corresponding stimules) strong sensations are caused by misute champes of acceleration, if man is subjected to states of gravity close to sero. Yet accelerations of critical amounts are already produced by voluntary and neared unitary movements accompanied by

#### AMOL-TAX-62-114

correspondingly strong sensations of acceleration at g = 0. At g = 1, such small additional accelerations are below the threshold according to the Weber-Fechmer Lew." Leftus (ref. 24) discusses the unique opportunity that a reduced gravity environment will offer to study these lower ranges of sensory phenomena.

Maker (rof. 15) correctly assumes that "during body movements the forces of inertia will lend weight to the body in proportion to the acceleration applied." In other words, weightless subjects may perceive limb accelerations as increased weight sumsations.

## Applications:

- (1) Definition and development of g cues may aid workers in aligning materials where small accelerations of mass and man may be important factors.
- (2) traw selection and various induced g critaria may be developed for orbital workers and rotating crew stations design by establishing the exact g load that caused some of the effects discussed in the report. For example, the start of reentry of the first Marcury flight was the transition from 0 to .05 g (ref. 4). In emergency conditions, man may be called upon to sense this reentry mode.
- 8. Sense of Marviness after Manauver The sensation of having more than 1-g body weight appears to be most pronounced when subjects welk immediately after the excessive g portion of the parabola. This consation was reported to exist for hours after a flight of 20-30 successive manauvers.

#### Dunny les:

(Author) "I perceived myself as being heavier than normal in the 1 g condition after the run, however, the 2 1/2 g recovery undoubtedly influenced this perception." (Diver) "Comparable to heavy sensation after coming out of water after several hours of immersion." (Diver) "Reaviness seemed to be much greater, two times as much, after weightlessness than before it." (Pilot) "When I drove my car home after the flight, I felt different and the steering wheel feit lighter."

#### Discussion:

The giddy faciling of free-souring is suddenly replaced with a captive sensation of increased heaviness. Any psychophysiological measure of this effect, however, would have to carefully consider the subject sample; i.e., (Many psychologist subject) "Any significant short term effects, experimentally, can be found only in persons who are highly tolerant of g extress. Without such tolerance, the g effects probably persist throughout the short weightless period and mask the effects of weightlessnuss, if there are any."

# Applications:

(1) Graveline's (ref. 13) concern with the reentry phase, "Operator performance and human tolerances will probably vary during reentry into g

بينياها والمطالكة لأواري أحييان والطباعظة والطفالة الأخطاط فالعطاعة

fields. The faster the recentry rate, the more pronounced will be the behavioral changes" suggests special requirements for the operator. For example, a basic psychosoter tesh concerning vehicle control may involve the operator's movement of a control, while referring to a moving display element. The ratio of these two movements is called the control/display ratio. Because of the previously mentioned behavioral changes offecting control extinus, a variable, g sensed control/display ratio system night compensate for psychomotor adjustment during the resentry period.

- (2) Periodic active work schedules involving gross unter activity may help to alleviate the poet-flight adjustment problem.
- (3) A possible crow selection criterion may be the ability to telerate excessive g leads following weightless periods. As intensic (vof. 26) noted, purposeful activity which also includes counterseting gravity while to the neurospecular "debt" and individual response to this "debt" after reentry my differ between individuals through wide reages.
- 9. Decrease of Clething Pressures The first subjective indications of fractional g for many subjects was their tectual response to a decrease of clothing pressures. Lesse clothing lost its "down hang" and tended to configure itself as dictated by the last limb motion.

### Emmple:

(Mon-pilot subject) "I feel my cluthing pressure decreasing." (Mon-pilot subject) "My leg hairs were tickled by my parts."

### Discussion:

Movies of subjects warring loose clothing (Estra) reveal that appeared tends to oscillate out of phase, or les behind lith manipulations (see fig. 11).

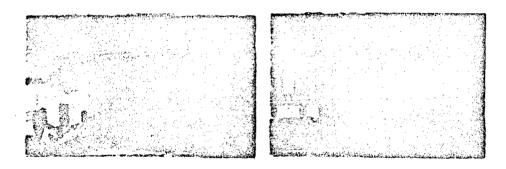


Figure 7. Out-of-Phase Clothing Motion

#### AMEL-TOR-62-114

#### Applications:

- (1) Grees not requiring pressurized apparel should probably wear form fitting, easily flowed clothing with elastic cuffs on linb extremities. Clothing designs should allow g-free limb activity and not be based on an earth bound "hong" notif.
- (2) The response to decrease in clothing pressure might serve as a tactile measure for g perception, especially during the 1.1 to 0 g transition period.
- (3) Pockets should fasten securely so that their contents will not inadvertently be released.
- 10. Mauses and Motion Sickness The rajority of naive subjects showed various symptoms of motion sickness. This effect may have been stimulated by physiological responses to excessive g and the rapid g transition periods, apprehension over inflight hazards, conflicts between visual and gravital inputs, and rapid introduction to an unusual environment in which the subjects have had no experience.

#### Examples:

(Excerpts from non-pilets' transcription. Plight was aborted due to subject's intemps malaise) "Here we go... ckey, I'm tightening up ... feel my head, my stomach, my bands are all okey it's kind of an op-refer but I'm tightening up skay ... got a little bic of a handsche ... starting to get warm ... starting to get werm ... I felt like I thought everything was going to come out my back because I'm laying on my stomach ... I'm a little bit dissy right now a little bit dissy I feel myself starting to pull away from the floor ... ooh, I feel my throat oh, it wals light ... just ever so light ... still feel tight around the throat ... just loosen my collar a little bit ... pretty were ... I feel prickly ... oh, felt a little bit gassy in my stomach that time ... starting to sweet ... feel like coughing quite a bit ... my arms are, my heads rather, tingle like I guess some poor circulation ... I feel a terrific pressure in my feet new in my hips and my stemach - right in the pit of my stomach ... it seems to be laying right there and my calves felt a little bit tight there ... my calves feel like they are real thick ... now I feel real loose ... (cough, cough) and disty ... feels like I have a rock in the pit of my stemach ... I don't feel like moving my head for when I do I set dissy - my back feels cold like water and moisture is drying ... oh, that rock in my stomach just lifted a little bit ... cops, and it started bouncing around ... now I'm everying all over ... feel real heavy ... feel real busy. oh my, the muscles tighten up so on that ..." (Dr. Cleman, Chief, WAFILET) "Viscoral senoations disappear during weightleseress, but are encessive during the transitios period."

#### <del>-</del>

Br. M. won Beckh thought that he became sick as a C-131 subject: "largely because of the extremely short recovery (physiologic adjustment;)

period at the end of the menosver. I have flows parabolas in fighter aircraft for many years and had mover been ill. The fighter aircraft parabola involves more g's (4-4 1/2 g); however, the transition periods are much longer.

Von Beckh (ref. 39) reports an incidence of motion sickness of onethird of his subjects used for experiments in fighter sircraft. En notes that (a) "the subject in the fighter aircraft is highly restrained within the small cockpit, which is further reduced in size by memorous recording devices. In the C-131, however, the subject is allowed to float freely and is even able to perform some acrobatics like forward and beckmord somerssults. Additional labyrinthine stimulation is therefore probably present. In addition, in the fighter aircraft the subject is restrained in the harness of the parachute and tied down by shoulder and lap belts. It is obvious that this restraint would diminish the 'Bellottement' of the viscers, especially of the abdominal organs of greater weight; e.g., the liver. (b) In the fighter aircraft emperiments, the subject is busy from Cakeoff to the leading attending the often rather complex recording devices such as the motion picture camera, -- etc. In addition he retains visibility out of the cockpit, can follow the flight maneuvers and feels, therefore, more a part of the aircraft than the free-floating subject in the C-131. (c) In the fighter aircraft the subject hears the voice of the pilot, who gives him instructions, but he does not feel observed by crew mombers and other subjects as in the C-131. The fear of becoming motion sick in the presence of others may in itself precipitate vagal symptoms." In addition, motion sickness can be induced by the examples of others through visual, auditory and olfactory pathways. Garathewooll (ref. 9) points out that during the pushover there was less sensation of viscera displacement with webarnossed seated subjects then with harnessed subjects (in fighter-type aircraft). Early in 1950, Minkervitzova (ref. 27) flow with three doctors in several consecutive 5-second long perabolas over Austria and reported that "all of the test crew become ill and naussated, including reporter."

Maker reported that disassociation between various qualities of perception and sensation may well produce a spatial counterpart of airsickness (ref. 15). Bacent investigations (ref. 39) have revealed that a disharmony of the perception and remation complex (in a normal 1-g environment it would be a conflict among gravital and visual cues) can induce certain forms of sexsickness. Crossfield (ref. 8) reported befold tensus during the g transition, but this faeling disappeared after the fifth flight. He stated that he experienced vertigo occasionally on the pullout.

Dr. Clamannin suggested that the reason his twelve flight surgame did not become ili on successive weightless indoctrination flights in the C-131B was because of their intensive training in positive g. He proposed that

<sup>&</sup>quot; Dr. R. von Beckh, Personal Communication, Aerospace Medical Field Laboratory, Bolloman AFB, Few Maxico, S August 1950.

<sup>\*\*</sup> forecast Communication from Dr. Clamann, Chief of Space Medicine, USAFSAM, San Antonio, Texas, 26 June 1861.

centrifuge activity, including rapid g transition periods and extensive Coriolis effects following head motions, would be an ideal method for selecting and training space candidates.

Airsickness appeared to decrease among (a') pilots (when flying the aircraft), (b') subjects who entered the mineuver from a supine position, (c') subjects in flights that used less than a 2 1/2 g parabola entry, and (d') experienced subjects. Airsickness tended to increase (a) exong idle subjects, (b) whenever the cabin became uncomfortably warm, or (c) when maneuvers were flown in consecutive pairs.

In general, those suffering from neuses, wanting, and vertigo complained that the increased acceleration and the changing gravity encountered during the trajectory were probably responsible for those disturbances.

#### Applications:

- (1) The lack of this symptom may be a useful crow selection criterion. This effect may not be an important weightless problem after crow selection, since exposure time and practice appear to be physiologically beneficial for adaptation to the weightless stats. This agrees with Gerathewoll's findings in earlier work on the same topic (ref. 9). Lawrence (ref. 21) agrees that "95% of individuals studied can develop a tolerance to unusual motion. Suppression of sensatious and responses may develop in non-professional skaters in 6-7 weeks."
- (2) Notion sickness might be anticipated in space when workers underse rapid g changes.
- (3) Supins or prome positions should be used during transverse accelerations.
- (4) The rate of g transit can be lengthened in the maneuver by sacrificing weightless time for entry and exit time. In addition, a 1-g entry (rather than 2 1/2 g) by the C-131B will yield 6-8 seconds of weightlessness and thus a normal entry can be used as a control condition.
- 11. Task Incompletion Decrease in Span of Attention Many subjects failed to accomplish simple tasks during the short weightless period. This effect was considered as a typical stress response and not specific only to the weightless condition.

# Domples:

Several subjects encreasfully performing gross psychomotor motions became confused when their seat balts were loosened (Errz). Monitors who had extensive araining and who were indoctrinating the Astronauts in methods of self-locomotion decasionally forgot specific tasks to be performed immediately after instructing their subjects. (Diver) "Y halion computely distributed when untangling myself from a rope." (Protographer) "Requires more concentration to do even simple tasks." A free-floating photographer forgot to operate the camera shutter on four successive paralulas. Pigeon hendlors needed an

and the second of the state of the second of

independent monitor to call out simple tasks to them to insure program completion (Extra).

#### Discussion:

This behavior may be attress response by naive subjects performing in unfamiliar environments during short periods of time. During the exhibitation and excitement of the meant, subjects frequently, and monitors occasionally, do not perform simple dation. Bond supports that "since the physical phenomena are overl, one centers on one item at a time; however, increasing experience should eliminate this."

Under actual long term weightlessenss, King (ref. 20) supposes that "a decrease in the state of electroses and a performance decreasest can be exticipated due to the lower total sensory input" whereas the subjects in flight are reacting to higher them normal acceleration inputs over extremely short time periods (transition periods).

# Applications:

- (1) A criterion for space craw selection might be the adaptation rate of subjects to unusual environments over short time periods.
- (2) Emergency tasks should be assigned to tetherod operators rather than free-floaters.
- (3) The k analyses of operator duties in space vehicles should include a time constant to allow free-floating workers to reorientate to a work position.
- (4) Training periods tend to rapidly increase self-confidence as shown by the subjects' Willry to shift their intention from concern over body position to tank completion.
- 12. Harmess Irritations When paracouts harmesses were securely snubbed, they tended to limit g-free activity.

### Rosep le :

"My harness seemed tightur under sero g."

### Discussion:

Subjects have complained of harmeness that gouge them and have readjusted buckles after free-floating. A basic kinematic description of the dynamic interactions of body segments in a surface-free environment may be seeded to indicate optimum restraint points.

# Applications:

(1) Marmoses and vacting apparel should be designed for g-free limb activity. They should allow for unusual limb positions and sudden limb accelerations.

£...

is a more combination with his commendate and and he will consider and so being with the best in

\* Personal Communication, Communicat Bond, Ibid.

- (2) Harmosses should protect against accelerations and decelerations.
- 13. Helplessness between Surfaces Subjects who have dissipated their lime a motion by colliding with other subjects or who had the floor "flown out from under them " have found themselves unable to reach a surface.

#### Examples:

(Diver) "I'm coming off the floor, ain't doing nothing, floating up, I'm in the air now, bumped something, I hit the top, I think I don't know where I am, I'm just henging here motionless." (Diver) "The feeling of helplessness comes from the fact that I don't know which way I'm going to end up or how hard I will end up." (Diver) "Helplessness feeling is diminished after successive runs." (Diver) "I was never dizzy, but very helpless." "I'm in a hell but I can't make myself tumble."

#### Discussion:

Once free of a surface, the subjects could only oscillate (by use of limb movements) in one place or return to the surface by throwing an object (expending was) in a direction opposite to the rurface.

#### : l'estions:

- (1) Life lines will probably be required for all workers outside the vehicle.
- (2) Emergency techniques (expending mass) for returning to a surface should be developed and included in training programs.
- C. Motion Effects The short term effects of weightlessness on the harnessed, surface-attached operator are aptly summarized by MASA pilot Joseph Walker."

  After an extensive discussion of the panoramic details of his first ?-winute weightless parabols in the X-15, he concludes, "All the foregoing was accomplished at zero-g and serves, I think, as a fit commentary as to whether the human can function under those conditions. In fact, I was mildly disappointed that my stay wasn't longer. Two winutes of weightlessness are no more of a problem than lesser periods." The Bussian cosmonaut selection program included training flights with periods of weightlessness lasting 40 seconds. It was found that all trainess stood up well to weightlessness. "In addition, they could take in liquid, semiliquid, and solid food, perform subtle coordinated movements (writing, purposeful movements of the hand), unintain radio contact, read, and orient themselves in space virtually" (ref. 37). In his flight,

Waiker, J. A., op. cit.

Commonant Cagaria reported that he felt well throughout the period of weightlessness and his working ability was completely unimpaired (ref. 19).

The unharmessed operator, however, faces now problems of body control and this section discusses some of the unique problems he will have in maintaining on and off-surface body positions.

l. Body Resilience Hoticos - Passive subjects shawed a tendency to leave surfaces following surface-to-body directed accelerations of the vahicle. The sudden relaxation of g-compressed tissues and padding may compose enough force to launch passive subjects.

#### Enumele:

(Astronaut) "Body resilience will force you off the floor."

#### Discussion:

Passive subjects lying press on the floor semtimes rose from the surface after attaining weightlessness while hard (nowresiliest) objects of the same approximate mass recained on the surface. Compressible items with greater mass then man (such as mattresses) may have been accelerated at a slower rate and never were seen to leave the floor. This spring-type reaction may follow from body or vehicle motions.

A plot of body and body on cushion deflection might appear as shown on figure 12. A very low order nonlinear body motion response may follow either a rapid excessive g post and release condition, or a simple push of the subject into the seat while weightless.

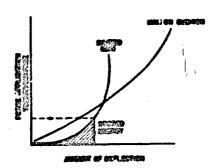


Figure 8. Flot of Probable Body Resilience Deflections

#### Applications:

- (1) Sleeping crow members must be restrained against their surface directed motions.
- (2) Compressible masses containing spongy materials should be restrained during varying vehicle accelerations. The increased spring constancy of a cushion would probably increase the subject's launch velocity after a surface-to-indy directed motion of the vehicle or body-to-surface directed motion of the subject.
- 2. Self-Induced Motions The next five effects deal with self-induced limb motions and their effects on body motion. Motion performance can be characterized in terms of speed and accuracy of the movement, and of the strength that is required or that can be applied in executing the manauver (ref. 2); however, for the purpose of this report, only observed gross body motions were sted and standards or scales of speed and accuracy and force application were not recorded. Only the resultant motion behavior of the free-flucter after performing the eight gross motor activities used in this report (App. I) were observed. The activities were chosen for their ability to suspend the can between surfaces, cause translations and rotations, and increasingly promote proprioceptive feedback.

These action-reaction motions of surface-free subjects indicated new problems of overcontrol, stabilization, self-rotation, and orientation that do not concern the harmossed operator.

a. Swimming Motions: In the lighted cabin naive subjects showed an initial preference for swimming or flailing limb motions (fig. 13). These motions appeared to be attempts (unsuccessful) to self-rotate or regain surface contact.

### Examples:

(Pilot) "I am confident of control because there is air to swim in." (Diver) "Swizzing motions effective in altering position."

### Discussion:

Subjects reported these motions as attempts to (1) move forward, (2) stabilize themselves and (3) turn around. The motions rarely accomplished factors (2) or (3) and tended to aggravate motion instead of allowing the subjects to stabilize. A few self rotations were anheardly accomplished, but precise control was absent. One cannot translate or move the center of gravity (attempt (1) without expending mass from the system or applying an external force.

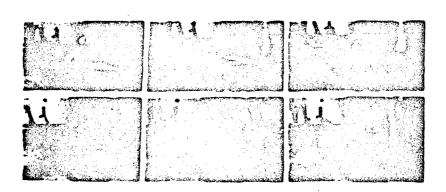
# Applications:

Techniques for self-rotation are being developed, and training in these methods are being accomplished in short-term weightiess facilities. The

AMEL-TOR-62-114

3

techniques are based on biomechanical analyses of methods for transfering angular momentum by limb manipulation (ref. 22).



Typical Unsuccessful Swimming Attempt at Zoro "g"

5

# Figure 9. Swimming Motion

b. Cross-Coupled Motions: Subjects absorbing foreign (aircraft motions, etc.) or self-imposed inertial forces found themselves initially rotating about a single axis. Successive movements often induced coupled or multiaxis rotations.

# Discussion:

Three-axis freedom complicates the control problem for an unstable g-free, flexible subject who has an occillating center of mass and interacting products of inertia among his limbs and body. Single-axis rotations may immediately couple into multiaxis rotations. Almost any motion by the subject to alleviate a spin only increases his spin complexity.

Subjects expending mess by throwing articles or utilizing air-reaction devices were spen into three-dimensional spins (Entra). Two subjects attempting

VEL-TOR-62-114

to headle a material between them by cooperating with simple torque tasks on a common board (fig. 14) mormally ended their trials in a tangle of arms, legs, and material (Extra).

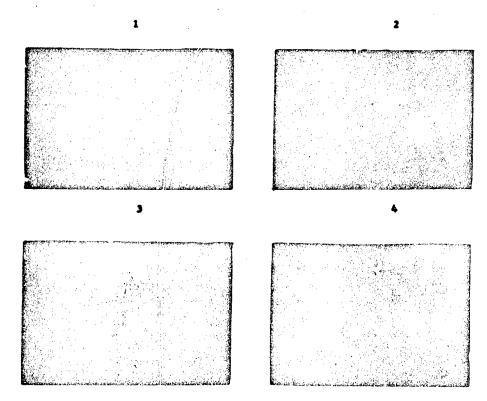


Figure 10. Torque Tasks on a Common Board

# Applications:

- (1) Techniques for shifting a multiple-axis rotation to a single-axis spin of the body could be computed with dynamic analyses of a flexible form and vertical inflight in order to predict orbital tumble behavior.
- (2) The extension of limbs will reduce the rate of spin and this rpm decrement could be established for the flexible worker for various postures and additions of mans.

c. Uncontrolled, Pendulous Motions: Subjects tended to wobble about their point of anchorage. Self movements of the limbs produced residual oscillations throughout the body causing unstable work performance, poor translation, and poor attitude and position control. Limb motions toward the surface often suspended the subjects adjacent to the surface.

### Europles:

(Diver) "My legs seemed awheard." (Diver) "I was ungainly suspended, didn't have the control I have in the water, even with a handhold." (Diver) "No problem of first tasks requiring finger dexterity, however, movements involving albows and shoulders more difficult." (Diver) "As soon as I dropped my arm down my feet came off the floor and I started floating around."

### Discussion:

A point of surface contact helps the subject remain at a surface; however, surface-free interacting moments of inertia of the limbs may induce sloppy performance. Surface-attached subjects tend to oscillate about their ankies and look as though there were water currents disturbing them as they expend much energy trying to stabilize themselves against their own self-induced motions (ref. 35).

Subjects moving masses toward the surface, move their center of mass away from the surface, and leave the surface.

# Applications:

- (1) Unharmessed subjects should not be required to perform motions requiring accurate movements without training.
- (2) Open muscle systems must be avoided and man should exert a force against himself (ref. 18); e.g., a window washer, using his safety belt attached to a building, is employing a closed muscle system when he pushes against the belt with his back and the building with his feet.
- (3) Magardous machinery should be guarded against uncontrolled operator motions.
- (4) Tether designs may be based on the minimum degrees of freedom of motion required for completion of a job.
- d. Scaring: Subjects are able to soar through apace with comparative ease, but without extensive training they will usually suffer undamped alow rotations (inadvertent tumbling), because of poor launch techniques (fig. 15).

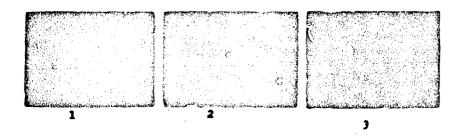
# Dumples:

(Diver) "Searing is very similar to training tank at neutral buoyancy." (Pilot) "The biggest enjoyment in free-flesting is the sailing." (Diver) "The trip to the moon (task 5) pret: y much corresponds with a dive starting from neutral buoyancy and perhaps passing through neutral to negative

Bearing of Antipological Antiber 18 Court of Secretarias in Liberary and the Secretarias and S

MEL-TER-62-114

buoyancy. Of course you have a relative water (sic) around you and it isn't exactly the same, but the facility, I believe there is some correlation."



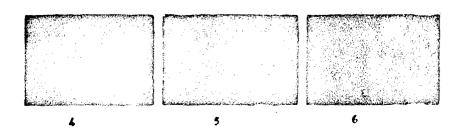


Figure 11. Proc-Sparing Failure

# Discussion:

Wher (ref. 15) states, "In a state of weightlessness, the muscles would mend to overcome only the body's Limitia, but they would behave as if they also had to recken with its weight. Hence the alightest effort by the space traveler to move his body would jerk him across the room," Actually, the slightest force will not jerk a subject, but will gently release him from a surface (see ref. 35 for propulsion force requirements). The maximum speed attained with full leg pushofis is only 10 mph (ref. 20).

Soaring subjects often propel other subjects or materials on contact and transfer some of their energy to a rotation of the second party. This is similar to the way a billiard ball can propel another ball, with the angle of divergence dependent upon the closeness of the points of contact to the balls' respective centers of mass.

### Applications:

- (1) Subjects will require training for accomplishing short, straight, and stable flight paths.
- (2) Attitude control will be a requirement for flight paths requiring more than one thrust impulse.
- (3) Orbital trajectories for single-impulse motion performance (souring) indicate a need for safety lines for all personnel outside a vehicle and their knowledge of and training in orbital motions.
- (4) Minimum souring volumes should be established and configuration and arrangement of handholds determined for locamotion within space vehicles.
- e. Difficulty in Walking (Task 4, acc App. I): Without handholds or attachment devices, normal wa'king is impractical during weightlessness and propels the walking subject from the surface.

# Examples:

(Diver) "Salking seems subsard." (Photographer) "I'm continually looking for something fixed to the aircraft to hold onto." (Diver) "It appears to be slippery."

# Discussion:

The 1-g walking gait is a push-pull operation. The push is upward and forward through the longitudinal axis of the body. The swinging leg moves forward and decelerates. There is a transfer of energy (pull) from the decelerating (swinging) leg to the remninder of the body, thus promoting a smoother forward motion of the center of wess. The heel of the swinging leg then strikes, following which, the toe is eased down placing the foot flat on the ground. The next cycle begins with a pushoff by the other leg.\*

The initial push propels the subject from the surface under weightlessness. Subjects usually aspend more energy keeping themselves in contact with a surface than they would require to soar above it. Subjects are able to walk spider fashion, i.e., hands on one surface and feet on opposing one, between close parallel surfaces.

<sup>\*</sup> Personal Communication, Dr. N. J. Ralston, Biomschanics Laboratory, University of California, Sau Francisco, California, 5 June 1961.

Divers report that, in water, a gliding, acquisitive motion of the feet (pussy-cetting), with all of the body wass accelerated in the horizontal (parallel to surface) direction, produces a successful walk as long as there is no vertical astion or bounce. This technique may be adequate for low, positive gravity fields.

# Applications:

(1) NewMoolds in large vehicles, administration fortgeer, and/or tethering hardware will be required for walking. Some of these are being or have been tested at the 6570th Associated Endeanth Reference (fig. 16, ref. 17).



Figure 12. Weightless Walking - Admesive Pootgeur

(2) The walking get should be studied in order to determine motion principles and hardness requirements for walking under weightlessness, partial s, Coriolis forces, excessive s conditions, and on curved surfaces that may be encountered on other planets and vehicles.

# D. Miscellamous Effects

l. Rigidity of Furered Tools (Extra) - Subjects using free-floating gear containing electric actors can feel the rigidity-in-space characteristic: of the rotating motor. Some rotation about the motor axis may be encountered due to the motor's bearing friction.

# Presole:

in which the things have been been to the west of the whole secretary as a second was a few and the second will be the second with the second was a second with the second with the second was a second with the second with the second was a second with the second with the second was a second with the second with the second with the second with the second was a second with the second with the second with the second was a second with the second wi

(Photographer) "I can feel my (motor driven) camera fighting me when I turn it on."

Personal interview, Divar, U. S. Meval Sulmarine Base, Mos London, Cons.

### Discussion:

Subjects who attempted to reposition handheld electric drills (power on) may turn themselves about the drill when they apply torques against the spin axis of the motor. This principle was used to stabilize subjects and as a method for controlled rotation (ref. 36).

# Applications:

- (1) Orbital workers using handheld powered equipment may require different stabilization requirements.
- (2) Workers performing aligning-of-material tasks any find that simple motor-stabilized assemblies tend to resist external forces and thus serve as semistable platforms.
- (i) Camera motors, etc., within from-floating capsules may impart forces to the entire assembly.
- 2. Suspension of Dust and Objects Insdequecy of Open Centainers Particles, fluids, and objects float freely, and souring subjects disloge and propel this debris. Loose objects within closed containers have become damaged and open containers have lost their contents during aircraft turbulence or when touched by subjects in motion.

### Example:

(Diver) "I thought I was seeing spots before my eyes until I realized they were dust particles."

# Discussion.

Free-floating subjects continually lose parapharalia from unsipped pockets. Cameras, socket wrenches, parachutes, sandwirms, and even standby subjects have floated off when not properly restrained or when touched by other objects or persons. Brittle foods carelessly eaten will crumble and litter the environment. Hislaid tools are often difficult to find after a mission, because continuous aircraft oscillations tend to sift them into small crevices.

# Applications:

- (1) Continuous air filtering may be a requirement around intricate equipment.
- (2) All objects should be secured and padded or smoothly configured if they are used frequently.
- (3) Continers of the shaker and sprinkler type should be avoided for their contents will only conteminate the air.
- (4) Demagable objects should be restrained within containers and tools should be tethered to the worker as well as to the storage surface.

### AMEL-TIM-62-114

Tethers should be short in length, since an accelerated object on a long tether could encircle and bind the operator.

- (5) A tisdown system enabling a limitiess object arrangement and rearrangement might below relieve the boundary of less pariods of travel in a confined space. Enter (ref. 14) may have been somewhat overconcerned when he suspects that, "envenitying struggle with the weightless objects would add to the psychological stress of the travelers."
- J. Physiological Effects The following incidental physiological factors were noted or comjectured by selected subjects and were not studied for accuracy or reliability. They are included only as potential problems of interest to bioastromautics personnel and may be caused in part by the anacouser artifacts previously discussed or may reflect an idion/meratic response of the subject. Enight (ref. 21) warms that "Physiologic massurements as can be made in a fiven zero-g ellipse represent responses not to a simple experience, but rather to the entire complex of accelerative change demanded by the flight profile."

The following list of physiological factors does not appear to contradict Haber when he states that, "The condition of weightlessness is not likely to produce any discorbances in the major functions such as respiration or circulation" (ref. 19).

- a. (Diver) "Massal drip was forced down throat with normal smallowing motion."
- b. Tears adhered to the eye because of surface tension and spread over the surface of the eyeball [noted by Psychologist referring to an airsick subject].
- c. Eye sensation Gerathmoshl (ref. 9) reports that a "lifting sensation that remembles pressure on the lower portion of the symballs is falt but failed to prevent the eyes from functioning normally." (This has not been noted during AFRIL tests and might be a response to the higher ; entry of fighter-type aircraft).
- d. Talking (Biver) "Every time I started to face final I could not talk for a few seconds." This never appears to happen with experienced subjects, but was reported by two naive subjects and may have been due to the stress of the inflight situation.
- a. Changing ear pressures In both aircraft, the cabin pressure rateof-change indicator needle often traveled to the plus and minus limits,
  indicating extreme changes during the maneuver (2500 ft per min.). This artifact, produced by the situraft system, has induced such comments as "Meightlessness is making my ears pop," and "I feel a pressure on my ear drum." Two
  subjects spinning at rapid rates mentioned ear sensations; however, the spin
  axes and rates were not recorded. These sensations may have been stimulated
  by contribugal forces acting on the head.

A diver noted that, "any movement in the water can directly be felt, in the water the pressure change is much greater and you can tell if you are moving up or down by pressure changes in the ear drums."

- f. Valsalva Difficulty was reported in performing the valsalva maneuver after free-floating by two subjects. (This is a method of equalizing pressure on the eardrums by forcing ambient air through the eustachian tubes to the inner ear.)
- g. Chills were infrequent symptoms of nausea and a cold cabin. The temperature was kept low (45° to 65°F) in an effort to lower the airsickness rate.
- h. Regurgitation Many motion-suck subjects regurgitated constantly, and one officer assigned to this project for over two years (logging 600 parabolas) emptied his stomach almost every flight. As King postulates (ref. 20), "In the absence of nongravitational force, no density gradients can exist. Thus, regurgitation of semisolid stomach contents would probably increase, since this function, dependent on differences in density, will be inoperative in weightlessness."
- i. Sweating Because most airsick and some non-sick subjects sweated profusely, cabin temperature was maintained at a chilly level. Body cooling is dependent upon heat convection and may not function in weightlessness. King (ref. 20) notes that heat loss by convection and evaporative cooling will be reduced, and also that subjects may be trained to aid heat exchange by voluntary movements of limbs and body.

After the first U. S. Suborbital space flight (ref. 7), physiological responses to five minutes of weightless flight (interrupted by 23 seconds of retrofire) were found to be uneventful. Vision, semicircular canal function, and hearing appeared intact throughout the flight. Astronaut Shepard was able to operate a complex vehicle with no significant reduction in performance; however, Cosmoaut Titov, an unharmessed, relatively free operator, apparently suffered canal sickness (ref. 19).

### SUPPLANT AND CONCLUSIONS

A general design emospt, need g-free, was derived from and applied to the various consistions and preferences factors listed in Table I. This emospt reflects the use of the gravity-free cavironment as a focus, rather than forcing earth wriested behavior into the weightless state.

Table II lies the free-floating connections and performance effects and hypothesians the differences and similarities between verificulars facilities and similarity is repredecing these effects. Remissful future areas of records are also listed.

Adulttedly, the behavious in this report are limited to responses to very short weightless poriods and their validity remains to be verified in orbital validies. The fart these the crude and thert-term recording techniques used in this report been remarked unique responses suggests that there say be many large-ease behavioral elerges yet to be esteeded. Examples of unique weightless behavior one rapidly being documented: Sinces (ref 36) has stated that the g-free walking gait to different them the 1-a gait. Ballinger-(rof 1) noted "that erientation disturbances were absented when the subjects ed their bands foring revo-grevity." Genethered (ref 10) notes that what we know is that disturbances are crossed by additional ecoolorations. We consist espect my Carlelia forces to be produced by back movement - when the vertibular cycles is at root." Dr. Natabes is emburting tests of recetory ayotogram on the Mi-1864 and bee hypethesised that there will be a charp cocline of this havelennery response Caring anightlessness. Straghold (ref 24) bolds that "expirations around the names codings in the ambrones eround the stemach and isomorphics are not to be emported - and a space version of motion pickerns is not necessarily to be reckered with." Recoe (ref 24) has feand a significant Alffarence lima between 1929 that whight discrimination shillties of subjects headling objects and Pigh (Ref 29) suspects a small decreased of visual acutey.

The first consideration for developing hardware and optimising performance should be the approximation, admendedgement, and not of those weightless behaviors. Restrictions and control of action vill be required; however, the potential power of a free non an controller, computer, serve-mechanism, power source, drive mechanism and exterial handler - i.e., the next intimate membels relationship ever conceived should guide all of our applications. Pros-floating what is indeed both non and machine, which and driver in one component.

Presonal Communication, Dr. B. F. McCabs, University of Michigan, Aero. Leg. Labs. June 1881.

TABLE 1

SUPPLAT OF STREATIONS AND PERFORMANCE STREETS, INCLUDING INTOTHERICAL AND KNEWN CASUAL RELATIONSHIPS ON APPLICATIONS

|  | -  | =  | -   | <b> </b>   |
|--|--|--|---|--|
|  | 1  | ,  |   |  |
| those orbital candidates who swhile the day or fittle orbitals. It is not clearly from a 1-g servirosment may elifituted; osmidirectional (smay orperators-to-dalaphay position alignments) displays and controls may enhance work performance; may enhance work performance; may enhance or body attitude within dark field decays repidly with gree support. | "Overshooting" occurs in derimess, but knowlodge. It results side quick adjustment; gaile controls may require less octuation force; single aris controls may restrict the aris controls may restrict the movement's performance envelops; rapid movements are often perceived as limbustht.   | Palse rotation and underestimation of rotation incoming the supercredity of the superc | Techniques must be doveloped to emble studies of surface; gaffac posture orientation reduces meed for surface information; any surface into the individual.   | Difficulty in east-rotation produces collision examinity padding requirements are extensive; open machinery man; be forbiblize; over-control may be reduced altib practice. Augmented self-stabilization and self-rotation are basic requirements. |
| AMARIA SA  | AND THE PROPERTY OF THE PARTY O |  |   |  |
|  |  |  |   | ×  |
|  | ×  |  |   | ×  |
|  | 200 yahi inga anga managamakan kata anga mandari.  | Section 1995 Section 1995 Section 1995   |   | Prof   |
|  | ×  |  |   |  |
|  |  |  | ×   |  |
|  |  | <b>⋈</b>   | CONTRACTOR OF THE PARTY OF THE |  |
|  |  |  | •   |  |
|  | b. Encelade of Body<br>Position in Alectaic<br>(pg 11)   | Lote in (p. 15)  | d. Excellen of inclace Location (p. 14)   | 9. Concarn twer Collision-Difficulty in Absorbing Inserts (p. 17)  |

Do the list had been been

| 6, Illustena<br>(pr. 19)  | × |             |   |   | Ħ        | w |   |    | With proper crew training and selection plus display information there should be fer '-pin' problems; bigs self mesuvering units may include illusions; auto-binesis should be investigated,   |     |
|---|---|-------------|---|---|----------|---|---|----|--|-----|
| 7. Sens. of Zero g.<br>Practions g and<br>Decesive g's<br>(pc 20) |   | ×           | H |   |          | H |   |    | Development of g. tues may sid workers in aligning materials; crew selection and werlous induced g. critaria may be developed for the practice g that induces such effect, normative behavior might then be estimated for functioning optimis.   | · · |
| 9, Sense of Madviness after Manauver (pr 21)                      |   | li l        |   |   | Ħ        | × |   | •• | Variable control forces may aid paychomotor adjustment upon mr. entry, active work schedules may aid in the maintenance of guscle tonus; a crew substation of guscle tonus; a billity to tolerate a following the weightless period.   |     |
| 9. Decrease of Clothing<br>Pressures (pr)                         |   |             |   | M | M        |   |   |    | Apparel tands to oscillate out of phase on moving life; crues requiring only moreal clothing abould wear forr fitting, easily flexed clothing with cutts on the extremities; the senastion cutts on the extremities; the senastion weightlessness. All pockets should fasten securely. |     |
| Sichness (pg 23)  |   | <del></del> |   |   | <b>*</b> | × | × |    | Mapid g transition and perceptual sensation conflicts can cause discomfort that may be valuable cover selection entire and supplies which may be used during transverse accelerations.   |     |

and a suppose that the characteristic constitution of the state of the

| II, Tab Incompletion-<br>Deresse in Span of<br>Attestion (EG 25) |   |   | × | × | × | 34  | <b>y</b> | ×  |                                       | Fits atress constant may serve as a xiver selection existering, constancy title about be assigned to restrained operator; task analyses restrained operator; task analyses for free-floating workers should include a reorientation time constant; refining periods repidly increase the coas of attention. | ×<br>  ж   |
|--|---|---|---|---|---|---|----------|--|---------------------------------------|---|--|
| (pg id)  |   |   | × |   | × | M<br>Caronina and Caronina and Car |          |  |                                       | termasses meed not be designed to restrain a 1-g mass between tightened for 1 g activity tend to link activity.   | <del> </del>                                     |
| 13, Malphesense between Suffices (p. 27)                         |   | × | × | × | × | NEW LOOK CONTROL FOR CONTROL CONTROL  |          | <u> </u>   |                                       | Brargency techniques for returning<br>to a surface; e.g., expending mas,<br>enould be developed. A worker<br>saythy masses may inedvertently<br>uspend himself.   | ×  |
| otton Effects<br>'pg <7)   |   |   |   |   |   | S SERVICE TO  |          |  | Cause areas in the                    |   | ├  |
| ** Body Restitence<br>Matters (pg 2:)                            |   |   | × |   |   | M<br>- ENDONG VELONIC   |          | ×  | A TAN DESCRIPTION AND A SERVICE STATE | Compressible masses should be restrained during warying whicle Accelerations; sleeping crew mambers should be restrained.   | ļ  |
| Self-Induced<br>Maturns (pg 29)                                  |   |   |   |   |   |   |          | <del>                                     </del> |                                       |   | <del>                                     </del> |
| (pg 29)  | * |   | × | × | * |   | н        |  |                                       | Our commot translate by swimming, Three metions were mostly unsuccessful attempts to translate, stabilize, or rotate; turning requires extensive training in tachaiques of self- rotation,  | ×  |

|   |   | ㅓ | _ | 4 | 4 |  |   | _ |   |   |   |            |
|---|---|---|---|---|---|--|---|---|---|---|---|------------|
| be Creas-Doupled Butless (pg 20)                  |   |   |   | × | н | All the second s | , |   |   | A continuous external force mis-<br>aligned from the center of mass,<br>moves the center of mess (transla-<br>tion) and rotates it, Spinning<br>subjects abould externed limbs in<br>order to reduce RPM, A stabilization<br>device could control rotation before,<br>during, and after translation. The<br>addition of mass to the sen abould<br>consider a dynapic enalysis.  | × | ×          |
| 4. Uncontrolled,<br>Pendulous Motiona<br>(pg. 32) |   |   |   | H | × |  |   |   |   | Self-induced motions tend to oscillate a body causing unstable work performance, poor translation, attitude and posture control. Unharmensed operators should not be required to perform gross motions required distributions in worseasts. Open force systems and be studied and should work against bises? Reartdow machineys should be guarded against uncentrolled operator motions.                                    | × | <b>×</b>   |
| 4. Searing (PG 72)                                | × | × |   |   | × |  |   |   |   | Improper launches cause inservetent rotations, Subjects can be resined to decomplish straight and stable flight paths. Affitted controls will be required for flight paths requiring more then one impulse. Tothers will be required for all perceives saving beatifue for all perceives certage certains of a space while, Winsum conting voluces and headhold requirements should be established for crew station design. |   | ×          |
| · Bifficulty in the labeling (pg 30)              |   |   | × | × | × |  | ^ |   | м | Attempts at utiling gropel the worker and from the entities, Mescholds, takens, and adherive footgaar should be developed,  |   | <b>1</b> × |

| -                               | -T*  | <del></del>   |
|---------------------------------|--|---|
|                                 | Paramond tools may be a source of stabilisation, but are difficult to alia and reposition, betore impersuent a source of the artist and source of the stabilisation and a semicable platforms. | Pilett, screens, as cirulatios, paddies, testraist de foloca within collifort, sea amonta codiquention of trasta are requirements, historia defenda are requirements, historia defenda folos fastened with long telebra cords cond encircle the corder, britis long telebra cords cond encircle the contact of the conditions |
|                                 | 25000  | E   |
| <u> </u>                        | <del> </del>   | <u> </u>  |
|                                 |  |   |
|                                 |  |   |
|                                 |  |   |
|                                 |  | ×   |
|                                 |  |   |
|                                 |  |   |
| Micellameous<br>Effects (pg 35) | Registry of France Inches (GC 35)  | Suspension of Dust<br>and Objects -<br>Indequery of Open<br>Containers (N. N.)  |

min manifest Continue was been and a some manifest and the consequence of the some bear some state of the continue with

TABLE 11

# SUBBARY OF SENATIONS AND PERFORMANCE INCLUDING AREAS FOR RESEARCH

|  | WEICHEL                   | VEICHTLESS PACILITIES        |         | MODPHODED CRITICAL RESEARCH MEAS  |
|--|---------------------------|------------------------------|---------|---|
| FACTORS  | Pricticuless<br>Platforms | Mater<br>Submersion Aircraft | lectaft | Por Space Activity  |
| 1. Eshilatellon from<br>Surface Precion                          | ×                         |                              | ×       |   |
| 2. Certort of Jectualous Support                                 |                           | ×                            | ٠,      | thintenance of muscle true,   |
| 3. Sensation of Pailing  |                           | ×                            | -       |   |
| 4. Orientation Effects 4. Ern ledge and Control of Line Position |                           | ×                            | ×       | Arm work tare opes; maltiaxis controls.   |
| b. Dustledge and Cor.rol of<br>Budy Postston                     |                           | ×                            | *       | Ommiditection I displays; 3-d attitudo displays.  |
| c. Lowledge of Rotation  |                           |                              | ×       | Single and malta, le axis angular acceleration thresholds.                                  |
| d. Foundadge of Surface<br>Luation                               |                           | ×                            | ×       | Work-to-surface alignment envelopes.  |
| 3. Concern over Collision.<br>Difficulty in Absorbing<br>Inertia | Ħ                         |                              | ×       | Attitude control techniques; visual cuts for rate of closure.                               |
| 6. Illusions   |                           | •.                           | ,       | Line-of-sight programming in orbit; contribution of graviteceptors to wertigo; autokine-is- |
| 7. Sense of g  |                           |                              | ×       | Meurological sensory-motor model; cues and thresholds.                                      |

| -        | 6. Sense of Maviness after<br>Veightless Period | Ħ                 | ×   | ٠                     | Psychometog readjustment rates; wariable control/dispisy<br>rates.   |
|----------|---|-------------------|---|-----------------------|--|
| •        | 9. Berress of Clothing<br>Pressures             |                   | -   |                       |  |
| 9        | 10. Hatesa and Hotlon Sickmes                   |                   | Crimily a manuscript derivative)  |                       | Contribution of sempory-perceptual conflict; x-rays of ergan displacement.   |
| =        | ll. Decrease in Span of<br>Attention            | (Primerily of     | (Primarily c short pagind derivative)                                     | poles                 |  |
| =        | 12. Marmess Irritations                         |                   |   | -                     | Maitiania (min. interference) harmeages; tethering orbital<br>projectional despira characteristics of season teach |
| =        | Buffaces Betraca                                |                   |   | -                     | Destinant return to surface techniques.  |
| <i>:</i> | 14. Motire Effects                              |                   |   |                       |  |
| :        | 8. Body Mestitence Mottons                      | ×                 | ×   | J                     |  |
| اند      | b. Pelaning Hotions                             | ×                 |   | -                     | Attitude control techniques (self rotation).   |
| : 1      | c. Cross Coupled Mutions                        |                   | Ħ   | _                     | Spin and tumble malyses; escillation of C/M envelope;<br>force opposition techniques (posture to burk alternant).  |
| ات       | Uncontrolled, Pendulous<br>Mutions              |                   |   | *                     | Closed force with tachelques; mon-torque tools; segmented tan morrous of force a males                             |
| :        | e. Soaring                                      |                   | ¥   | _                     | Single impulse programming; Nime of sight programming.   |
| -        | f. Difficulty in Maiking                        | X<br>(air shotes) |   | *                     | Malking between (sothers in action of model); adhesive for pair partial, excessive a criteria                      |
| <b>:</b> | 15, Misc. lians un Effects                      |                   |   |                       |  |
| :        | a. Rigidity of pasered tools                    | i                 |   | M                     | Self-mensurents walk studies.  |
| •        | b. Suspension of Debrie                         |                   |   | 72                    |  |
| Ž        | Facility advantages                             | Time period       | time period   | 1                     | **   |
| ž        | Facility eleadwantages                          | J. froedom        | true 0.6<br>leolatina complex g pattern<br>motion resi- short time period | true 0.6<br>complex s | ttvs 0.g<br>coopins graters<br>chort time period   |

. 1

# BIBLIOGRAPHY

- Ballinger, E. R., "Meson Experiments in Subgravity and Prolonged Acceleration", <u>Journal of Aviation Medicine</u>, Vol 23, pp 319-321, 373, 1952.
- 2. (bapanis, A., Rosserch Techniques in Erran Engineering, The Johns Hopkins Press, Baltimore, 1959.
- Cohen, S. I., A. J. Silverman, and B. M. Shusvenian, Psycho-physiological Machanism of Stream Responsivity, Semi-Amerial Report, Air Force Office of Scientific Research, Contract by 49(638)-354, Daire University Medical Center, Dept. of Psychiatry, April to October 1969.
- 4. Conference on Endical familie of the First U. S. France Suborbital Space Flight, Mational Association and Space Agency, Massaugeon, D. C., 5 James 1961.
- Diefenbach, W. S., The Ability of Emberged Subjects to Sense the Cravitational Vertical, Cal. Ep. Col-1355-V-1 James 1901, Cornell Astronautics Laboratory, Cornell University, Buffalo 21, New York.
- Fulton, J. F., Ed., A Textbook of Physiology, Y. B. Sounders Company, Philadelphia and London, pp 220-221, 1955.
- Gerathesohl, S. J., "Physics and Psychophysics of Weightleseness Visual Perception," <u>Journal of Aviation Padicine</u>, Vol 23, pp 373-395, 1952.
- 8. Gerathemohl, S. J., "The Peculiar State of Weightlessness," <u>Medical Problems of Space Flight</u>, A. J. Kendricks, Ld., Special Report, USAF School of Aviation Fedicine, Landolph Air Force Rass, Texas, August 1955.
- Cerathesohl, S. J., "Personal Experiences During Short Periods of Weightlessness Reported by Sixteen Subjects", <u>Astronautica Esta</u>, Vol 2, pp 203-217, 1956.
- Gerathewoll, S. J., and H. D. Stellings, "The Labyrinthine Posture Reflex (Righting Reflex) in the Cat During Weigh-loseness", <u>Journal of Aviation</u> Medicine, Vol 28, pp 345-355, 1957.
- Gerathesohl, S. J., M. Strughold, and H. D. Stallings, "Sentomotor Performance During Weightlesaness. Eye-Hand Coordination", Journal of Aviation Medicine, Vol 27, pp 7-12, 1957.
- Graybiel, A., and J. L. Patterson. "Thresholds of Stimulation of the Otolith Organs as Indicated by the Oculogravic Illusion", <u>Journal of Applied</u> <u>Physiology</u>, Vol 7, pp 666-670, 1955.
- 13. Creveline, D. E., and B. Falke, The Physiological Effects of Rypodynamics Induced by Water Immersion, Report No. 60-88, USAF School of Aviation Medicine, Brooks Air Force Base, Texas, September 1960.
- Maber, H., "Space Medicine", The Encyclopedia Americana, Vol 25, p 320g, 1960.

### AMRL-TIM-62-114

- Haber, H., "The Bassa Body in Space," <u>Scientific American</u>, Vol 184, pp 16-19, January 1951.
- Haber, H., and S. J. Commthess, 91, "Ca the Physics and Psychophysics of Weightlessness," <u>Journal of Aviation Medicina</u>, Vol. 22, pp. 180-189, 1951.
- 17. Mommer, Lois R., Ed., Straits in Weightleasses, WARD Technical Report 60-715, Wright-Patterson Air Perce Bass, Caio, January 1961.
- 18. Hertzberg, H. T. I., "The Biomechanics of Weightlessmass," Aircraft and Missiles, Vol 3, pp 52-53, 1960.
- 19. "Now Man Mede his First Flight Into Space," Moscow Esse, 29 April 1961.
- King, V. J., et al., Weightlassmans-Training Requirements and Solutions, MAYERADEVCEN 560-1, U. S. Mayel Training Bovice Conter, Fort Eachington, New York, 3 March 1961.
- Knight, L. A., "An Approach to the Physiological Simulation of the Bull-Gravity State," <u>Journal of Aviation Endicine</u>, Vol 29, p 233, 1953.
- 22. Eulwicki, P. V., E. J. Schlei, P. L. Verzamini,
  Veightless Man: Self-Rotation Techniques, Study I. AMRL-TER-52-129
  Aerospaca Radical Mysision, 6570th Aerospace Madical Research Laboratories,
  Wright-Patterson Air Force Base, Chio, October 1962.
- 23. Lowrence, M., and B. F. NrCabe, "Supprecsion of Vestibular Sequela Following Sepid Rotation," Journal of Aviation Medicine, Vol 30, March 1939.
- 24. Loftus, J. P., and L. R. Brower, Weightlessness and Performance, A Review of the Literature, ASD Technical Report 61-155, Aerocautical Systems Division, Wright-Patterson Air Force Base, Ohio, June 1961.
- Margaria, R., "Subgravity Conditions and Subtraction from Effect of Acceleration," <u>Bavista Medicina Accountics</u> (Italian), Vol 16, pp 462-474, 1953.
- McKensie, R. E., B. Martman, and D. E. Craveline, An Employatory Study
  of Sleep Characteristics in a Sypodynesic Environment, Report No. 60-63,
  USAY School of Aviation Englishe, Brooks Air Force Base, Texas, October
  1960.
- Minharitnovs, Daga, "Five Seconds in a Weightlese State," Zapienik, Vol 59, pp 16-17, 10 July 1959.
- 28. Mueller, D. D., and J. C. Simons, Weightless Man: Single-Impulse
  Trajectories for Orbital Workers, Wal-IDR-62-103, Eshavioral Sciences Laboratory,
  6570th Acrospecs Redical Research Laboratories, Wright-Patterson Air Force
  Base, Chio, September 1962.

- 29. Pigg, L. D., and W. W. Kama, The Effects of Transient Weightlessness on Visual Acuity, WADO Technical Esport 61-184, Wright-Patterson Air Force Base, Gaie, 1961.
- 30. Racch, P. J. and R. K. Burke, Kinaniology and Applied Ameterny: The Science of Rossa Pressuret, Lon and Vobiger, Philosolphia, Facasylvania, 1936.
- 31. Roy, J. 1., and J. I. Hiven, The Extremalism of the Vertical: XII. The Point of Shift from Viscol to Francisco of Reference, Report Ro. 21, Project Ro. Novel Col U. 21, V. S. Marvel Colmol of Aviation Medicine, Pencacola, Florida, July 1960.
- 32. Rose, B. W., and Role E. Copeland, Discrimination of Differences in Mana of Weightless Objects, Wright Air Development Division Technical Report RO-601, Wright-Vettorson Air Force Base, Ohio, December 1960.
- 33. Schock, G. J. D., Apparent Motion of a Fixed Laminumy Textee Enving Subgravity Trajectories, Artic Vecanical Mote 18-3, Air Verye Missile Development Center, Malana Air Porce Base, Day Manice, February 1959.
- 34. Schock, G. J. D., Sens Chestvations on Orientation and Illusions When Proceed to Sub and 1250 Convicy, Unpublished Dectoral Tasois, University of Illinois, 1918.
- 35. Simone, J. C., Walking Bader Zero-Cravity Conditions, MADE Technical Note 99-327, Wright-Futtoreys air Force 2000, Unio, Craces 1959.
- 36. Simons, J. C., and M. S. Garder, Self-Electronian for the Orbital Morbor, WARD Technical Report 60-768, Wright-Patterson Air Force Ense, Unio, December 1960.
- 37. "Soviet Experiments on Effects of Weightlessness on Hamms," Esti Hirlay, Budapest, 8 Hovember 1957.
- Strughold, N., in Armstrong et al., "The Aero Medical Problems of Space Travel: A Panel Meeting," <u>Journal of Aviation Medicine</u>, Vol 20, pp 383-402, 1949.
- 39. won Seckh, N. J., "The Incidence of Motion Sickness During Exposures to the Weightless State," presented at the Symposium or Space Medicine, XIth International Astronautical Congress, Stockholm, Swedon, 15-20 August 1960.

### APPENDIZ I

# CHOSS NOTOR TASKS

# TRIAL #

- 1. Lying Down On the first trial the subject lay face down, looking aft, mext to the cargo door, in the center of the aircraft. He was instructed to keep his eyes on the motes. The subject was instructed not to hold on, not push off and not use his hands or feat for any surpose except to aid his during the maneuver recovery. The subject way told that he may or may not float off of the floor, and was not to resist either case.
- 2. Lying Born The subject lay in approximately the same position as in trial number 1. He was to heep his eyes on the moon but was to such himself off of the floor. After suspension be was to use hands or feet to keep himself floating.
- 3. Standing The subject entered the measurer standing. He hald on to the overhead with at least one hand, unking cure that his stance was firm so that he could not fall or injure himself during the 2 1/2 g pull-in to the perabola. When the sero-g condition had been reached, he released his handhold and allowed his body to float freely. After reaching sero g he was not to hold on to anything.
- 4. Mailting The embject entered the manager in the same position as in trial number 3. He stanted this measurer with his back approximately 1 foot from the forward blackout custain. When sero g was attained he was instructed to walk to the aft bulkhead, using one hind on the ceiling to keep himself erect and keep him eyes on the moon. In was then to turn around and walk to the forward blackout curtain.
- 5. Soaring The subject entered the manouver lying face down, feet touching the blackout curtain. He was instructed to keep his eyes on the mann. Upon achievement of zero g he was to lift himself slightly off of the floor and push with his feet agains' the curtain in order to sail toward the moon. The subject was instructed to try to hit the moon itself. Upon achieving this, subject was to endeavor to soar back to the experimentar by pushing off of the aft bulkhead.
- 6. Polling in ('athering) A rope was attached to the aft bulkhead. The other end of the rope was placed in the subject's hand in a medium-taut configuration. The subject was positioned as in trial number 5. Upon reaching zero g the subject's instructions were to pull himself aft with the rope, toward the movn.
- 7. Tumbling The moon was turned off. The subject positioned himself as in trial number 3, in the center of the cabin beside the cargo door. When seto g was achieved, he was to throw his head and hands down and forward and feet up and backward to achieve a tumble (as in diving into mater). The subject was informed that trial number 7 would be directly followed by another zero-g parabola (trial number 8).

8. Lights on - During the entry of the sensurer, the lights in the commertment were turned on. During this last trial the subject was informed that he may do anything he desired. (Trials 7 and 8 were flown as a double maneuver so that the subject might quickly compare the dark and light cabin conditions).

The subject was told to use the recorder during the entire maneuver and record semantions, observations, achievement of experiment, etc. Before each trial he was told to record the trial number end the instructions for that trial.

AMRL-TDR-62-114

### APPENDIX II

# TRANSCRIPT OF A SUBJECT'S RESPONSES (Astronaut Scott Carpenter)

All right, this is Carpenter at 1 g, 21 September 1960. We plan to do sev or eight raro-g trajectories this morning, and I will be recording during the sg pushup. This is all to be done in the darkroom of the C-131 with the only th risible a very faint moon. Locks like fun. All right, this is just prior to the beginning of the first run. My instructions are to - first of all I am lyion my stomach in the forward part of the blacked out section - on my stomach and I can see the moon on the aft bulkhead. Hy instructions have been to pushup slightly just clear of the floor and move very slightly forward, this I hope will keep me suspended in the air and I am to record my semmations while we are weightless. All right, we are beginning the yushover. I imagine we are about at helf a g at this mement and here comes the pullthrough. I got a slight, I get the feeling that the back end of the simpleme is going down, its just the rotation. Now I am pushing free of the floor moving to the right, hit the bulkheed, now I still have the sensation new of moving forward, I'm against the floor, now I feel upside down, I will push free - I but the floor again. I I definitely have the sensation of turning, but there was just a very short perio There were two or three short periods at which time I wasn't touching or up agai 2 the bulkhead or floor. When the run was over, I was completely discriented, I no idea which way was up or down.

All right, now we are getting ready for the second run. Instructions this time are to go through the pushover and pullup in a standing position holding on the ceiling with one hand. When we get to zero-g, I am to release my hold on the ceiling and that's all. We will see what happens. I think the one thing that might be improved on is this helmet. It fits down on - the front part fits down very close to the eyes and with imperceptible emonate of rotation the helmer could obscure the moon and create nome disorientation that might put some noise in the data that you are trying to get. I might add that on the first run I made no effort to change in a body position, I think I stayed in a stretched erect position throughout, until, of course, the end of the run when I sort of crumpled on the floor. This time I think we start standing - I think that when we get to zero-g I will just sort of fold my legs up undermeath me as though I am sitting with less crossed and see what happens, I tried this before - it's relatively relaxing. Another thing that I could add here, your mind is not really able to devote itself exclusively to evaluating the weightless condition. Now I am recording at about, well, 0.5 @ going into the pushower. The reason that you can't really devote yourself 100 per cent to evaluating this data is because you are in too confined a sput and your mind is continually trying to think; well, which way am I going and when am I going to hit on what part of my body. We need a bigger spot and a better padged one so it doesn't make any difference where you hit.

And now in the pullup of about 2 g, I'm still standing. Here comes mero-g (second run). All right, I'm letting go now, OK, I let go now. OK, I'm

of the numbers in left mergin refer to the involved foctors shown on page 64.

floating. OK, I'm moving forward and I'm tumbling up and down. It's hard to evaluate just exactly what is going on, because that actually wasn't too good a run and I was busy trying to tall whether or not it was time to let go.

About the only thing I can say about it is that it is completely disorienting, and the only feel you get which you really can roly on is where do you hit. If you hit on the right side, you know that you might have traveled to the right, but you always get a sense of motion somewhere. There is no sense of being truly suspended so that you are stationary with respect to the airplane.

UK, this time I'm to go through the pullup standing. At zero-g, I'm to walk toward the aft end of the airplane toward the moon or until 1 get to the end of the walkeny on the ceiling, which I will be able to feel with one hand, When I get down there, I'm to put my feet on the ceiling and walk backwards toward the front of the airplane keeping the moon in sight at all times. Of, starting the pushover and reduced g now, 0.5. I've just been told that I can hold onto the ceiling as I walk down. This makes an impossible task possible, I would say. All right, we are starting the pushover sysim. We aborted the first one (aborted first try of third run, lost sight of Clinton County). I am now recording at about 0.7 g. Hy head is just clear of the ceiling as I stand erect. This is going to make it a little bit easier to got aft to the ceiling as you couldn't force yourself back on the floor. By pushing on the ceiling you wouldn't be able to locomote very well this way. OK, now we are at about 2 g . Begin the walking at 2 g. I get the rotation of the tail, and now I'm at zero-g, and it is really no problem at all to walk toward the moon at zero-g pushing down on the coiling and up on the floor. OK, I'm now going Oh, Oh! (laugh) - I didn't quite set my fact up on the ceiling before we got back to positive g. It wouldn't turn out much of a problem to turn yourself around and gat your feet on the ceiling. There is a ring here you can hang 7 by, push your feet up, force your head to the ceiling - I much to the floor and you should be able to get back as easily as you got forward. There just wasn't time to reorient myself before we went back to positive ;. I might add that as long .... my feet never left th: floor and my hands and head really never left the ceiling and there was no disorientation at all.

OK, mext run is about to commence [fourth run]. Instructions this time are to go into the run standing. At mexo-g, I'm to begin twisting about at vertical axis or so that the moon will alternately appear and disappear. I'm to stay more or less erect, and we will see what happens. Another thing that I noticed standing here going through the pushover and the pullup: I get the definite feeling of the moon rising as we push over, and when the g increases, I can actually see the moon go down. I really feel the rotation of the fushings, although I can't feel, I'm convinced that [it actually does]. OK, pushover at just slightly reduced gravity, now I still get the mensation of the tell going up. I also have an idea that when this twisting begins, it's rapidly going to change axis. and I will be again completely disoriented. The tail is going down, the muon is going down, I have hold of some wire above me with my left hand. Here is zero-g, and I'm twisting to the right. And, Oh! I hit the fluor - let's see, is that the floor? I can't make sure. I have lost the moon.

<sup>\*</sup> Poor recording.

I'm now completely free! There is the moon, and I am upside down. No, Sir! I am right side up. I am facing aft - again completely disoriented, and I floated free for some time without touching a thing, but in more or less a sitting position that seems to be the position you normally go to it keeps you in a masiler ball so that you are not as likely to hit the wall, ceiling, or the floor. Our main inverter just went out, and we're going to hold off now for a couple minutes. There is one other thing I night mention, perticularly in that last run when I was from in the air for at least the longest time today, I didn't touch the ceiling, wall, or floor for maybe seven or eight seconds, but even so I didn't have the feeling that I was suspended. I felt that I was turning sleely, but still turning, not motionless felt like sort of a sideway, turn, not a tront or becommerce somersault type of aution. I might make emotion observation here. All the zero-g work that I have done has been an exhibitating thing for me. The freedom that it gives you, you are so unsaccessbered, you can fleat like a feather and brist and spin, It is always a lot of fun for me, but in this derkroom where you con't get any cuss and are completely in the dark about where you are and what you ere doing, the fun is 5 me. Its not emploacent but you don't get any visual cues to make it fun anymore . Well, I takk another thing that I wight say here. I think the lun is gone out of this business when you are blacked out like this, because you really are in doubt as to which way is up. And the psychologist will say, "Ah! there is a need for the people to know which way is " this is true as long as you understand up is defined only as up with respect to the wahicle you are riding in. It may be down toward the certh, but if men 15 can orient himself incide whatever he is riding as being right side up respect to it or upside down or sideways them that is all he really needs.

All right, this time I have been told to just eit here. I have in my left hand a rope attached to the aft and of the airplane. At zero-g, I will try to propel mynelf with the mos of the rope alone back toward the moon. Of course, unless I fall right in line with the centur of gravity, I em going to get a tumble, and with only being able to was and hand it will be bard to do this and talk at the same time without tumbling and be able to grab the rope again after I have done the first pull with it. Talking may be in fits and starts for this one [fifth run]. OR, starting the pushover now. Sitting on the floor cross-legged. Now, it would be much easier to do this with a rope attached fore and As it is, this is going to be herd to do. Here is the C g pullup. I can see the moon going down again. Now we are at zero-g. I'm flusting a little off to the left. Ah! Yes! this is not bad. I'm floating right back toward, I'm taking four pulls, five, floating completely free. My head hit the cailing, now I'm on the floor and back to about normal I g, and it appears to me that I'm about 3 feet short of the mees. I never left the cross-legged sitting position and I felt like I floated gradually aft gently rising until just short of the meen. By bead bit the cailing, we then pulled through, and I got back onto the floor quite gently, and I was able to take 5 or 6 pulls on the rope without tumbling. Another interesting thought: I thought that if I let go of the rope that last time with one head and tried to grab it again; ordinarily a rope at I g would grow slack and fall to the floor before you could get another hold on it, but this rope of course, stayed stretched out all the time and so grabbing it again was not hard.

This time I'm just supposed to lie on my stomach and sail toward the light. This is more like it! I will lie on my stomach, and I won't try to push off much. Yesterday, in the 135, I found that just pushing with your feet or off the floor your body resilience will force you off the floor and I expect I can make it all the way back thore using this method without hitting the ceiling. Here is the 2 g pullup [sixth run]. And here is zero-g, and here we go! Now this is not a wery good one, we didn't quite - OK, here we go, but I got carried may from the floor before I could get much traction. I didn't get a good enough push off that time. I pushed may from the forward bulkhead before we were really at zero-g, and the friction of the floor slowed me down so that when we got zero-g later I didn't have anything left to push on.

OK, we are going to try that one again [seventh run]. OZ, here commencing the push over at reduced g. This will be another run of the same kind. I am soing to wait until we get to zero-g and then push off from the forward end of the airplane and try to float back to where the moon is. This felt like a rather long dive and a pretty good pull through. Maybe we will get a long sero-g period this time. OX, here is sero-g. Pushing gently off of the floor, forward I go completely free. Now I am upside and spinning and twisting, and I had no purchase to get back to the back side. Oh, Man! that was a pretty good ram. I would say there was velocity to get all the way back but I hit the ceiling before I unde it all the way. Ah, lets see, then what happened. I hit the ceiling on the right-half side looking aft. I think I tried to push off the ceiling to get aft again and went to push sideways too hard and hit another bulkheed somewhere. Some time during the run, I got back nearly to the aft bulkhead, but at the end of the run I ended up just about in the middle of the cabin. I made a couple of turns to completely upside down, and that is all I can think of.

OIL my instructions this time are to do one front flip, try and stop, and then sail back to the moon. My eyes are to be closed during the one turble, then open the eyes when you think you are through one tumble, try and find something to grab hold of to propel yourself, diving toward the moon. The only way I can get a tumble like this started is to lie on my strench at sero-x, bring your knees up underneath you; actually what I will do is kneel, crouched down on my knees, and at zero-g I will push gently off with my toes. This commences a front flip. How being able to stretch out after one turn is not ming to be hard but to be able to catch something to stop tie temble at the and of one turn will be a problem. Here is the pull through [eighth run]. This belong again is a bother. OK, here is sere-a - going down. I think that I have one tumble - no, I hit my back first and I'm GM. I can see the muon and I'm upside down on the ceiling trying to get back to the moon. I have no picture .... that was one of the harder landings. That's not bad, I stretched when I felt that I had made one tumble, but actual! I had only some out half the way, my back hit the floor, I bounced off, finished the tumble, teristed a wer, couple of times so I was completely disoriented and ... ted to make my way back to the moon but from that point on I couldn't find anything to get any purchase on so it was just sort of a useless struggle. Another thing that might be of some interest here. Yesterday I cracked my back a couple times good in the 135, and the fact that I burt mycelf - not bad, but I got some good bruises out of it the fact that I did that year-rday reduces the - well it makes you not quite so

54

to the the state of the second of the second

ready to really give it your all. You don't start to spin too hard to too quickly because this generally sends you off in one direction or another where you could hit semathing hard. If ewrything was very well padded, then you could really give it your all.

This time my instructions are to lie down and try and propel myself back toward the light just be grabbing onto the floor. I think talking during this one is going to be a little bit of a hinderance, this is going to take two hends. So, I will put this "mike" same and tell you shout it afterwards [ninth run]. OK, that was a pretty good one. I was able to get all the way down to the morn and all the way back to the front end. That time I used both hands and 12 surprisingly enough just a small sioch hold on the course floor ent here is enough to direct yourself with. I kept my houls on the course all the way soon, although it was a good mero-g run and I was floating. I had to hold myself down. I got all the way to the aft end of the afrecest in about three or four grobe of the carpet, I toward the buildhood, I humbed around and started on the way back. After about two grabs on the carpet I leet of hold, I want up to the ceiling and 19 ricocheted off of that and finally ended up in the lag of the monitor back here.

Of, this is the last double run coming up. I am going to get about in the middle of the cable. The meen is now gone (turned off) and the first run I am to do envising I want, but it will be completely blacked out. I think what I will do is just try and get free. I may start a tumble or may just sit in a sitting position. The second rea will be the case ground rules, but with the lights on. I am not even sure which may I am focing now and that is good. It seems like I am facing a little bit off to our side bound the port of the airplane. Tes, those is a leak in the cabin wall and I know I am - a light leak, that is. OR, have commences puchaver, and I found that I was looking turnered the moon to try and walfy that the puchover was extually commencing. so I just have to do it by the seat of the found. I am sitting cross-leaged again facing the oft of the .... Pull through is commencine was [tenth ren]. I think I will try - I don't know - I am going to lie on my stomach, changing to my stomach now. During the 2 g, I am going to do a front flip again, they are more fun. Zero-g, Ah, phocey! I'm floating, floating forward now I think, and now I started to pitch (lough) I'm floating - well I don't know what happened or who I hir . Oh, born he is - the socitor! OK, that time I really felt like I was motionless like I was not turning at all.

This time the lights are now on. I will do the same thing [eleventh run]....at the start of the run that I was floating forward. Oh boy, that was a good one! (laughter) Oh boy! OK, that is a lot more fun when you can see what you are doing. I did 2 or 3 flips front and slowards - now let's see, what is the upshot of all of those runs. The thing that counts in my mind is that without any light at all this is a very discricating thing, you have no idea which way is up . With the lights on it is not disconcerting at all. It's mainly just fun.

at the control of the control of the control of the control of the second of the control of the

# FACTORS INVOLVED IN SUBJECT'S RESPONSES (APPENDIX II)

- 1. False perception of rotation (Ref. Results, B. 4c)
- 2. Complete disorientation (Ref. Results. B, 46)
- 3. Sense of partial g (Ref. Recults, B, 7)
- Concern of collision (Ref. Results, B, S)
- 5. Sense of continuous motion (Ref. Results, 8, 6)
- 6. Sense of excessive g's (Ref. Results, B, 7)
- 7. Possible foot-down orientation (Ref. Results, B, 4a)
- 8. Lack of disorientation with tactual contact (Bef. Results, B. 46)
- 9. Oculoagravic illusion (Ref. Results, B, 6)
- 10. Anticipation of cross-coupled motion (Ref. Results, C, 26)
- 11. Loss of direction (Ref. Results, B, 4b)
- 12. Relexed posture (Ref. Results, B, 2)
- 13. Sense of constant motion (Ref. Results, B. 4c)
- 14. Loss of exphoric sensation in darkness (Ref. Results, B, 1)
- 15. Satisfaction with vehicle rather than eerth orientation (Rof, Regults, B, 4b)
- 16. Self imparted motion from body resilience after excessive g's (Ref. Results, C, 1)
- 17. Underestimation of rotation (Ref. Results, B. 4c)
- 18. Surprise at small magnitude of holding forces required (Baf. Results, B, 12)
- 15. Need for communication required between two people (Ref. Results, S. 11)
- 20. Possible use of illusion as cue to vehicle behavior (Ref. Results, 3, 6)
- Possible dependence upon viewal cure for feeling of continuous motion (Ref. Results, B, 4)
- 22. Sense of exhibaration (Ref. Results, B, 1)
- Discrimination with respect to distance as well as direction (Ref. Results, B, 4)

### APPENDIX III. SELF CONTAINED AUDIO RECORDING SYSTEM

The uncetisfactory andio recording of verbal statements by free-floating subjects suggested the meed for a better system for future research. Such a system was developed for the Air Force by the Seismograph Service Corporation, Twiss, Oklahoms and this appendix was abstracted from a Seiscor report titled Technical Franci for SET-II Remoders Station and SPI-II Personal Radio Unit, Seiscor, Now 1570, Tulse, Oklahoms, " undated.

The equipment furnished was designated the Repeater Station (RS) and the Personal Radio Unit (FRU). Resisally the RS receives transmissions from a personal unit - ile simultaneously rebroadcasting this information to all other personal unit. In the system. The Repeater Station can be operated with or without an operate. Themselve an operator at the repeater station makes a crememberic, a wice operated switch automatically interrupts any transmission being made by a personal unit. The present FRU is a two-channel unit but can be converted to a multi-channel unit. The RS is a single-channel unit and other channels must have individual repeater entions. All units in this system are equipped with a voice operated switch. Show the operator creaks into the microphone the unit automatically switches from receive to transmit and likewise when the operator ceases to spank the unit returns to the pooling mode of operation.

The FRU utilizes the buldest cord as an antenna while the RS requires an antenna approximately 65 implies to length. The RS antenna may be placed at a resote location and commetted to the unit by a length of RG-58/U coaxial cable. The RS supplied operates on characteristic frequency is 42.5 m and the receiving frequency 31.5 m. The FRU supplied operates on channel one, the transmitting frequency is 31.5 ms and the receiving frequency 42.5 ms, and is equipped for channel two operation, the transmitting frequency being 31.55 ms. and the receiver frequency 42.51 ms. Characteristing frequency being 31.55 ms. and the receiver frequency 42.51 ms. Characteristing frequency stations.

Transmitter power output is approximately 50 millimates, and the receiver sensitivity is I microvolt into the receiver enterms translate for a 10 65 wigned to noise ratio. The sudio emplifier will deliver 15 watts into the earphones. The FRU is powered by re-chargeable batteries which will deliver approximately 10 html. I confirmed operation under conditions of DVZ transmit and 50% receive. An external charging unit is provided and five bours are required to completely recharge the batteries. The ES contains a rechargeable battery and a built-in charger.

The microphones furnished are of the noise cancelling type and the operator must speak directly into it in order to product the necessary modulation level. The following specifications have been included.

# Receiver Specifications

Harris Harris Commence of the control

Crystal controlled superhaterodyne 455 kg l. 7. Built-in moise limiter

The second se

AMEL-TOR-62-114

Adjustable squelch
Amplified AGC
1 microvolt sensitivity for a 10 db signal to noise ratio

# Transmitter Specifications

Crystal controlled oscillator Rigi level modulated power amplifier 100 millimates input to power amplifier Speech compressor for high avacage modulation Voice operated switch for treasultter control

Pictures of the units are shown in Figure 17 and block diagrams for both of the units are included in Figures 18 and 19.

AMEL-TOR-62-114

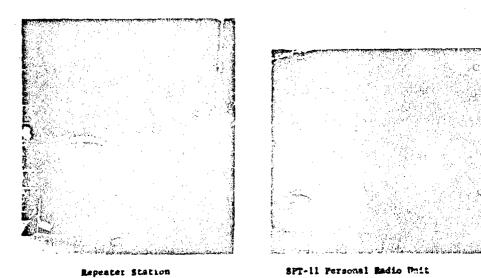
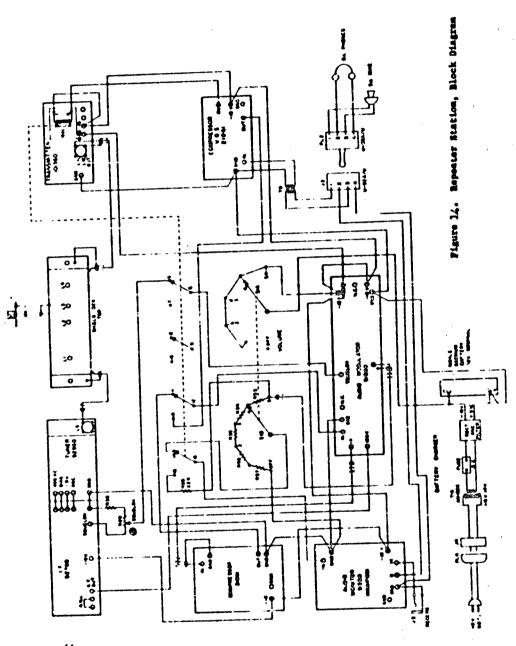
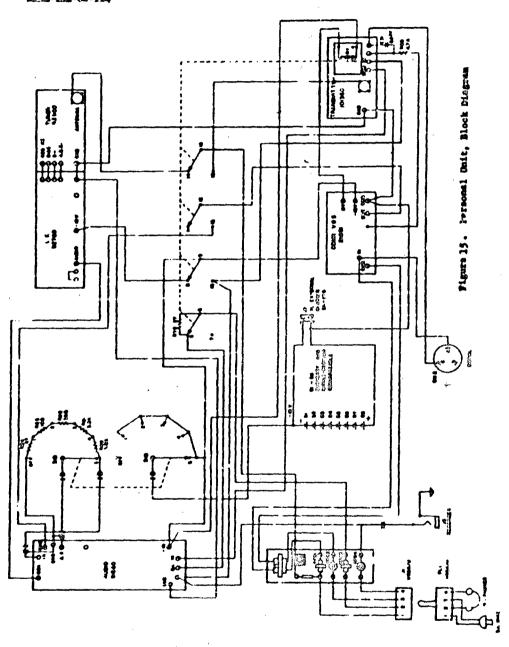


Figure 13. Repeater Station and Personal Radio Unit



64



| Astrogace Medical Division  60782 Astrogace Medical Messarch  Laboratories, Wright Patherson AFE, Ohio  Eght. Ho. AREEL-TO-40-14. WEDGETLERS  22523: A SURVEY OF ERMEATORY AND PER.  FURNIARICE WELLE FREE. FLOATHES. Frail  FURNIARICE WELLE FREE. FLOATHES. Frail  FURNIARICE WELLE FREE. FLOATHES. Frail  FURNIARIO STORTELEC IN Unclassified report  FOR effect of mether-free behavior on worth  Performance in syate has bose insvestigated to  chart as what the canture. While they per-  formed gross matter streether ander vestigation  conditions, subjects reported their sensory and  performance experiences during Estarian  fools lighted and dark calan  conditions. Their experiences  were categoriese into sensation  influences upon forth calan  influences upon forth calan  bland and dark calan  Visite behaviors were found and their causes are  bland and to creative residual and to creative and calandarian and to creative areas for future research  ser proposed.  Programd. | UNCLASSIFED  UNCLASSIFED  UNCLASSIFED  UNCLASSIFED  UNCLASSIFED  UNCLASSIFED  UNCLASSIFED  UNCLASSIFED | Astrogace Medical Division  48704 Arrogace Medical Division  128704 Arrogace Medical Division  128704 Arrogace Medical Division  128704 Arrogace Medical Division  12870711205  12870711205  1287071 March 128707 OF SENGATRICE ARROPATA  1287071 March 128707 SENGATRICE ARROPATA  1287071 March 128707 Mile 65 pp lacil Hillian,  1287071 March 128707 Mile 67 pp lacil  1287071 March 128707 Mile 67 pp lacil  128707 Mile 67 proceeding regionate and produce of the following and the difference of the following and the follo | UNCLABITIED  1. Weightensess 2. Ordinal Worter 3. Ordinal Worter 3. Enhance (Zero- Gravity Ense) 4. Performance 5. Enhance Englasering 6. Avic Project 1184; 7. Avic Project 1184; 7. Bichavioral Sciences 7. M. S. Carder 7. M. A. Garder 7. M. A. Garder 7. M. A. A. Carder 7. M. Carder |
|--|--|--|--|
| 0  | UNCLABIFIED  | $\bigcirc$   | ( NCLABBIFIED  |
|  | <b>3 3</b>   |  |  |

/